यीशु पुकारते हैं

YEESHU PUKARTHE HEIN HINDI MONTHLY - OCTOBER 2025
VOL. 24 ISSUE 4 - 28 PAGES - RS. 21/-

अक्टूबर 2025

इनके अंदर...
क्या आपका जीवन सूख गया है?
मैं खालीपन क्यों महसूस करता हूँ?
एक उद्देश्यहीन जीवन

सत्य को जानोगे,

और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा

(यूहन्ना 8:32)

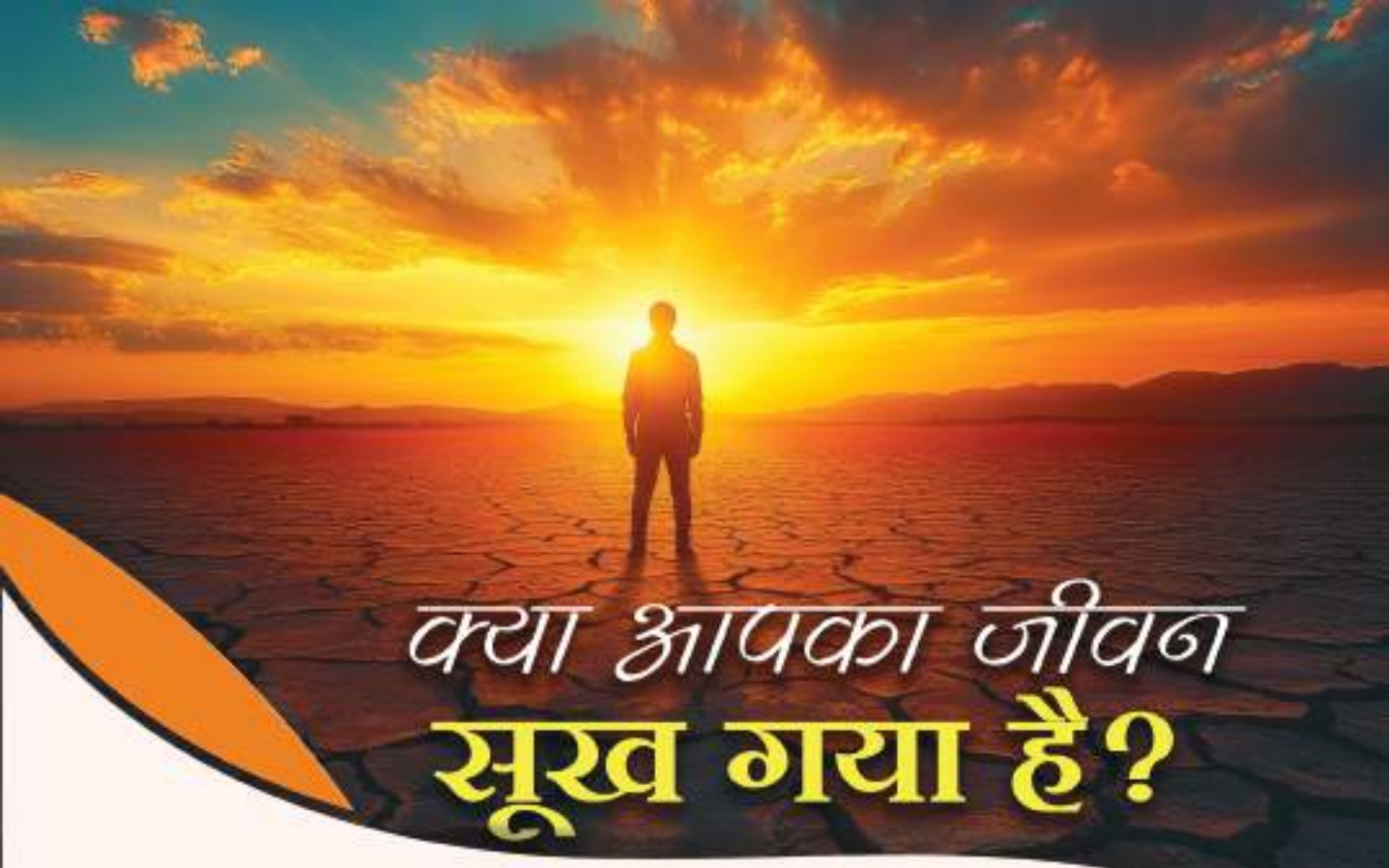

क्या आपका जीवन सूख गया है?

प्रिय मित्र, इस महीने के लिए परमेश्वर की आपसे प्रतिज्ञा पवित्रशास्त्र के भजन संहिता 46:4, 5 से आता है, जहाँ लिखा है, 'एक नदी है जिसकी नहरों से परमेश्वर के नगर में अर्थात परमप्रधान के पवित्र निवास भवन में आनन्द होता है। परमेश्वर उस नगर के बीच में है, वह कभी टलने का नहीं; पौ फटते ही परमेश्वर उसकी सहायता करता है।'

परमेश्वर यहाँ किस नदी की बात कर रहे है? आप वही नदी है, और परमेश्वर भोर होते ही आपकी मदद के लिए आपके बीच मौजूद होंगे। मदद भोर के साथ आती है। क्या आप खुद को सूखा महसूस करते है? कई बार, हम दुःख की रातों से गुजरते है: भय से भरी भयावह रातें, जब सब कुछ अंधकारमय लगता है और कोई प्रकाश नजर नहीं आता। लेकिन प्रभु हमें सहारा देते है और हमें एक नई सुबह की ओर ले जाते है। इसलिए, साहसी बने!

आनंद की नदी

''एक नदी है जिसकी नहरों से परमेश्वर के नगर में अर्थात परमप्रधान के पवित्र निवास भवन में आनन्द होता है।''

(भजन संहिता 46:4)

क्या कोई परमेश्वर को प्रसन्न कर सकता है? क्या कोई परमेश्वर के नगर को आनंदित कर सकता है? हाँ, आपको इसके लिए चुना गया है। कैसे?

एक पापी के पश्चाताप करने पर स्वर्ग अपार आनंद से भर जाता है (लूका 15:7) और स्वर्गदूत आनन्दित होते हैं। **'इसी प्रकार, मै तुमसे कहता हूँ, कि एक पापी के पश्चाताप करने पर परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने आनन्द होता है'** (लूका 15:10)। जब आप पाप से पश्चाताप करते हैं और यीशु की संतान बनते हैं, तो स्वर्ग अत्यधिक आनंदित होता है। इस प्रकार, पाप से पश्चाताप करके और यीशु को अपना उद्धारकर्ता चुनकर, पाप से दूर रहकर धार्मिकता से जीवन जीने के द्वारा, आप आनंद की नदी बन जाते हैं।

शायद आज आप यह कहते हुए संघर्ष कर रहे हों: 'मैं इन पापपूर्ण आदतों से मुक्त नहीं हो सकता। मैं परमेश्वर को कैसे आनंदित कर सकता हूँ?' यूहन्ना 1:7 कहता है, **'यीशु, उसके पुत्र का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।'** इसलिए, अपने मुँह से अंगीकार करें और अपने हृदय में विश्वास करते हुए कहें: 'यीशु, आपने मेरे लिए अपना जीवन दिया, आपने मेरे लिए अपना लहू बहाया।

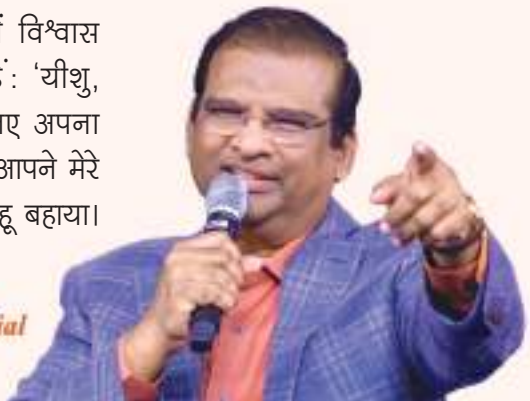

डॉ पॉल दिनाकरन - paul@jesuscalls.org

Pauldhinakaranofficial

उस लहू से, मेरे पाप को शुद्ध करें।' हाँ, उस उडाऊ पुत्र के समान कहें जिसने अपने पिता को पुकारा: 'मैंने पाप किया है, मेरी सहायता कीजिए!' लूका 15 में, जब पुत्र ने पश्चाताप किया, तो उसने कहा: 'मैंने स्वर्ग के विरुद्ध और आपके विरुद्ध पाप किया है। मैं आपका पुत्र होने के योग्य नहीं हूँ। मैंने अपना जीवन पापियों के बीच, पाप में, अंधकार में बर्बाद किया है। मुझे क्षमा करें।' परन्तु पिता दौडा, उसे गले लगाया, उसे चूमा, और उसे फिर से अपना पुत्र बना लिया। पुत्र ने कहा, 'यदि आप मुझे सेवक बना लें तो यह बहुत है।' परन्तु पिता ने उसे पुत्र के समान वस्त्र पहनाए, पला हुआ बछडा मारा, और कहा, 'सब लोग भोज खाएं और नाचें! संगीत बजाएं! आनन्द से उत्सव मनाएं!' एक पापी के लिए जो पश्चाताप करता है, स्वर्ग में बडा आनन्द होता है। आज, आपके कारण, स्वर्ग स्वयं आनन्दित होगा, और स्वर्ग का सारा आनन्द आप पर उंडेला जाएगा। आपका जीवन आनन्द से भर जाएगा। भोर होते ही, प्रभु आपकी सहायता करेंगे।

उसी तरह, आइए हम दूसरों को भी प्रभु का संदेश सुनाएँ, ताकि वे भी पश्चाताप करें। तब स्वर्ग अपार आनंद से भर जाएगा! महान पुनरुत्थानवादी चार्ल्स फिन्नी एक बार अपने एक मित्र से मिलने गए। जब वे एक कारखाने से गुजर रहे थे, तो एक करघे पर काम कर रही एक महिला अचानक रो पडी और रोने लगी। एक-एक करके, उसके आस-पास के अन्य लोग भी रोने लगे। अंत में, मालिक ने कहा, 'मुझे पता है कि क्या हो रहा है, श्रीमान फिन्नी, मसीह की उपस्थिति आप में है। परमेश्वर की आत्मा आप में है, और लोग उसके बोझ तले दब नहीं सकते। उनके हृदय दोषी हैं, और वे क्षमा के लिए रो रहे हैं।' फिन्नी ने एक शब्द भी नहीं कहा था! लेकिन उनमें व्याप्त परमेश्वर की उपस्थिति ने वहाँ मौजूद सभी लोगों में दृढ विश्वास और परिवर्तन ला दिया। प्रियो, जब मसीह की पूर्णता आप में निवास करती है, तो उनकी उपस्थिति भी उसी तरह आप में से होकर बहेगी। इसीलिए यीशु प्रार्थना करने वाले पुरुषों और महिलाओं को राज्य के कार्य में अपने सहयोगी, प्रार्थना मध्यस्थ के रूप में शामिल होने के लिए बुला रहे हैं।

हम यहाँ आने वालों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, और कुछ लोग अपने घरों से हमारे साथ प्रार्थना कर रहे हैं। मैं आपके लिए परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ। जब आप ऐसा करते हैं, तो आपके कारण स्वर्ग में अपार आनंद का सृजन होता है। गरीब बच्चों की देखभाल करके, आप सीशा के माध्यम से भी हमारी सेवा कर रहे हैं। सीशा द्वारा प्रदान की जाने वाली स्कूल किट, निःशुल्क ट्यूशन और अन्य सहायता के माध्यम से कई बच्चों को आशीर्वाद मिलता है। अनगिनत बच्चे धन्य हैं। आप भी इसका हिस्सा हैं। आपके कारण, स्वर्ग अपार आनंद से भर जाता है। जब आप दूसरों को प्रभु के बारे में बताकर उनकी सेवा में शामिल होते हैं, तो स्वर्ग आनंद से भर जाता है और उसके कारण, प्रभु का आनंद आप पर आता है। सपन्याह 3:17 पढें जहाँ लिखा है, 'वह तेरे कारण जयजयकार करते हुए आनन्दित होगा।' यह कितना अद्भुत है! जब आप उसकी सेवा करते हैं, तो वह कहता है: 'मेरे बच्चे के कारण, इस व्यक्ति ने पश्चाताप किया है। मेरी प्यारी बेटी के कारण, इस महिला ने पश्चाताप किया है। उनके कारण, इस गरीब बच्चे को आशीर्वाद मिला है।' वह आपके कारण आनन्दित होता है। वह आपके लिए गाता है। शास्त्र ऐसा कहता है। आप वह नदी हैं जो उद्धार लाती है।

प्रभु ने आपको परमेश्वर के नगर, परमेश्वर के निवास स्थान, उस पवित्र स्थान के लिए जहाँ परमेश्वर निवास करते है, आनंद और उल्लास की नदी बनाया है

जीवन जल की नदी

इसके साथ ही, हम पवित्र शास्त्र में यह भी पढते हैं कि वह हमें जीवन जल की नदी बनाता है। यूहन्ना 7:38 में, प्रभु यीशु कहते हैं: 'जो कोई मुझ पर विश्वास करेगा, उसके हृदय से जीवन जल की नदियाँ बह निकलेंगी।'

लेकिन उससे पहले, आइए पहले वाले भाग पर नजर डालें जहाँ यीशु के दो शिष्यों की माँ ने उनकी ओर से प्रभु यीशु से प्रार्थना करते हुए कहा, 'हे प्रभु, जब तू अपनी महिमा में आए, तो मेरे पुत्रों में से एक तेरे दाहिने और दूसरा तेरे बाएँ सिंहासन पर बैठे।' यीशु ने उत्तर दिया, 'तुम नहीं जानते कि तुम क्या माँग रहे हो। क्या तुम वह प्याला पी सकते हो जो मैं पीने वाला हूँ? अगर तुम वह प्याला पीओगे जो मैं पीने वाला हूँ, तभी तुम मेरे साथ मेरे सिंहासन पर बैठ पाओगे।'

यीशु ने जो प्याला पिया, वह क्या था? वह मृत्यु का प्याला था। उसने कहा, 'यदि तुम वह प्याला पीओगे जो मैं पीने वाला हूँ, तो तुम मेरे साथ मेरे सिंहासन पर बैठ पाओगे। तुम्हें जीवन मिलेगा। तुम जीवित परमेश्वर के रूप में मेरे साथ राज्य करोगे। तुम अनन्त जीवन के उत्तराधिकारी बनोगे। तुम इस संसार में और परलोक में भी जीवित रहोगे।' लेकिन यीशु ने जो मृत्यु का प्याला पिया, वह क्या था? हालाँकि वह जीवन का स्वामी है, फिर भी उसने अपने पिता को समर्पित होकर स्वयं को मृत्यु के हवाले कर दिया। किस

उद्देश्य से? प्रत्येक पुरुष और प्रत्येक स्त्री के लिए मृत्यु का स्वाद चखने के लिए। क्योंकि सभी पुरुष और स्त्री पाप में थे, और पाप की मजदूरी मृत्यु है। पाप में बँधे हुए लोगों को छुडाने के लिए, यीशु मृत्यु से गुजरे। मरे हुए रहने के लिए नहीं, बल्कि मृत्यु पर विजय पाने और तीसरे दिन फिर से जी उठने के लिए! यीशु मृत्यु से गुजरे ताकि वह हमें जीवन दे सकें और हमें जीवन के जल की नदियाँ बना सकें।

आज भी, प्रभु हमें कई बार मृत्यु का प्याला देते हैं। पौलुस 2 कुरिन्थियों 12:10 में कहता है, **'जब मैं निर्बल होता हूँ, तभी बलवान होता हूँ।'** वह कहता है, 'इसीलिए, मसीह के लिए, मैं निर्बलताओं, अपमानों, कष्टों, उत्पीडऩों और कठिनाइयों में आनंद लेता हूँ। जब मसीह के लिए मुझ पर निर्बलताएँ, अपमान, कष्ट, उत्पीडऩ और कठिनाइयाँ आती हैं, तो मैं बलवान होता हूँ। तब मुझे जीवन मिलता है। तब मैं बल के साथ फिर से जी उठता हूँ।'

लेकिन कई बार हम कहते हैं: 'मैं यीशु के पास आया, फिर भी मुझे इतनी सारी समस्याएँ क्यों हैं?' एक बहन ने अपनी गवाही में कहा, 'मुझे समस्याएँ हैं। मेरे शरीर में भी बीमारियाँ हैं। फिर भी, इन सबके बावजूद, मैं प्रभु का सहारा लेती हूँ। वह मुझे जीवित रखते हैं। वह मेरे बच्चों की रक्षा करते हैं। उसने अमेरिका में उन्हें आशीर्वाद दिया है। मैं हर तरह से आशीर्वाद देखती हूँ – आत्मा में, जीवन में, परिवार में। लेकिन फिर भी, अपनी इच्छा पूरी करने के लिए, प्रभु अक्सर मुझे मृत्यु के मार्ग से ले जाते हैं।'

प्रभु ऐसा क्यों करते हैं? क्योंकि इसी मार्ग पर हमारा मानवीय स्वभाव हमसे दूर हो जाता है। हमारा अभिमान बिखर जाता है, हमारा अहंकार मिट जाता है, हमारा क्रोध दूर हो जाता है, हमारी चिडचिडाहट दूर हो जाती है और हम यीशु जैसे हो जाते हैं।

मेरे पिता कहा करते थे: जब किसी कारखाने में स्टील की नलियाँ बनाई जाती थीं, तो वे बाहर से सुंदर दिखती थीं। फिर भी उन्हें एक बडे एसिड टैक में डाल दिया जाता है?' जानते हो क्यों? 'हालाँकि वे बाहर से अच्छी लगती है, लेकिन अगर आप उन्हें ध्यान से देखें, तो उन पर कई धातु के टुकडे लगे होते है। केवल एसिड ही उन्हें हटाता है। उनका मूल्य बहुत बढ जाता है।'

उसी तरह, प्रभु हमें कई बार तेजाब की टंकी में डालते हैं। संसार में आने वाली वही कठिनाइयाँ हम पर भी आती हैं। ये कमजोरियाँ, अपमान, उत्पीडऩ, परेशानियाँ और दबाव हो सकते हैं, जैसा कि पौलुस ने लिखा था। लेकिन ऐसे समय में, प्रभु का जीवन हमारे भीतर प्रवाहित होता है, एक ऐसा जीवन जो तेजाब की तरह है, जो शुद्ध करता है। दूसरों के पास यह आशा नहीं है, लेकिन हमारे भीतर उसका जीवन है। इसीलिए यीशु ने कहा: 'जो कोई मुझ पर विश्वास करता है, वह यदि मर भी जाए, तो भी जीवित रहेगा। और जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा।' (यूहन्ना 11:26) इसलिए, प्रभु की संतान होने के नाते, जब भी हम पर कठिनाइयाँ आती हैं, हमें यह जान लेना चाहिए: जीवन के जल की नदियाँ बहने वाली हैं। इसलिए, यीशु की तरह, हमें भी कहना चाहिए, 'हे प्रभु, तेरी इच्छा पूरी हो।'

कई बार, प्रभु ने मुझे भविष्यवाणियाँ दी हैं: 'ऐसा ही होगा, मैं ऐसा ही करूँगा।' लेकिन भविष्यवाणी के तुरंत बाद, समस्याएँ आ जाती हैं। मुसीबतें आती हैं। विश्वासघात आते हैं। झूठे आरोप लगते हैं। अपमान होता है। और मैंने अक्सर कहा है, 'प्रभु, आपने स्वयं कहा था कि आप मेरे माध्यम से महान और गौरवशाली कार्य करने जा रहे हैं। मैंने तो सबको बता भी दिया है कि आपने क्या प्रकट किया है। लेकिन अब स्थिति ऐसी लग रही है कि कुछ भी संभव नहीं है। प्रभु, आपकी इच्छा पूरी हो। मुझे पता है कि यह आपकी महिमा के लिए होगा। मुझे पता है कि आपने जो भी योजना बनाई है उसे रोका नहीं जा सकता। आप सर्वशक्तिमान हैं। आपने जो कहा है, उसे आप अवश्य पूरा करेंगे। और क्या ही अद्भुत बात है! हर वह बंधन जो मुझे बाँधता, हर वह बाधा जो मुझे रोकती, प्रभु उसे हटा देंगे। वह व्यापक द्वार खोलेंगे और शानदार विजय प्रदान करेंगे।

सचमुच, हम उन कार्यों को देखेंगे जो प्रभु सेवकाई में, कारुण्या में, सीशा में, और आप सभी के जीवन में करने वाले हैं।

प्रभु यीशु ने कहा: 'जो कोई मेरे पीछे आना चाहता है, उसे अपने आप का इन्कार करना होगा और अपना क्रूस उठाना होगा।' अय्यूब ने कहा, 'चाहे प्रभु मुझे मार भी डालें, फिर भी मैं उस पर भरोसा रखूँगा।' क्या प्रभु ने उसे नाश होने के लिए मृत्यु के हवाले कर दिया था? नहीं! प्रभु ने उसे जिलाया। उसने जो कुछ खोया, प्रभु ने उसे उसका दोगुना लौटा दिया और प्रभु आपके लिए भी ऐसा ही करेंगे। क्या आज मसीह के कारण आपका अपमान किया गया है? क्या मसीह के नाम को धारण करने के कारण आपकी आशीष में देरी हुई है? प्रभु की स्तुति हो! क्योंकि इसके द्वारा, प्रभु आपको अपने समान बना रहे हैं। आप उसकी इच्छा पूरी करेंगे। प्रभु आपको कभी मृत्यु के हवाले नहीं करेंगे। इसके बजाय, वह आपको उठाएँगे, मृत्यु से उठाएँगे, और आपको जीवन देंगे। वह जीवन के जल की नदियाँ बहाएँगे।

शांति की नदी

जैसा कि यशायाह 48:18 में प्रभु यह भी वादा करते हैं कि शांति नदी की तरह बहेगी। इब्रानियों 12:14 में, बाइबल कहती है, 'सबके साथ शांति से रहने और पवित्र बने रहने का हर संभव प्रयास करो; पवित्रता के बिना कोई भी प्रभु को नहीं देखेगा।' हाँ, जब आप शांति से रहते हैं, हे सब, परमेश्वर के दर्शन की पवित्रता आप पर उतरेगी और आप वह नदी बन जाएँगे जो आपके आस-पास के लोगों के लिए शांति लाती है।

दो हफ्ते पहले एक बहन मेरे पास आई और बोली, 'भाई, क्या आप जानते है कि लोग आपके बारे में क्या कह रहे है? वे आपके बारे में इतनी झूठी बातें फैला रहे है जो सच नहीं है।' उसने सब कुछ गिनाया और फिर पूछा, 'क्या आप जवाब में एक शब्द भी नहीं कहेंगे? क्या आप अपना बचाव नहीं करेंगे?' मैंने उससे कहा, 'प्रभु ने मुझे लोगों से लडऩे के लिए नहीं, बल्कि एक बहती नदी की तरह जीने, जीवन देने के लिए जिंदा रखा है। एक भी व्यक्ति नाश नहीं होना चाहिए। सभी को बचाया जाना चाहिए। सभी को यीशु की संतान बनना चाहिए। सभी को जीवन प्राप्त करना चाहिए।'

यहूदा ने पैसे लिए और यीशु को धोखा दिया। आज भी, कई लोग पैसे लेकर यीशु और उनकी संतानों को धोखा देते हैं। लेकिन यीशु ने क्या कहा? 'मेरे प्यारे दोस्त।' उसने फिर भी उसे 'दोस्त' कहा। यीशु को शांति मिली। उन्हें यहूदा के साथ शांति मिली। यीशु ने उसे कभी शाप नहीं दिया, उसे कभी नष्ट नहीं किया। यहूदा ने खुद को नष्ट कर लिया। वही शांति, प्रभु आपको देंगे।

प्रभु ने हमें शांतिदूत बनने के लिए बुलाया है। एक बार जब हम ऐसा कर लेंगे, तो शांति का राजकुमार हमारे पास आएगा और हमारे घर में हमेशा शांति रहेगी। चाहे चारों तरफ से विरोध उठे, चाहे अनगिनत हमले हों, प्रभु आपके परिवार को शांति प्रदान करेंगे।

जब मैंने अपने पिता के माध्यम से पहली बार सेवकाई शुरूकी, तो प्रभु ने मुझसे कहा: 'मेरे बेटे, जब तुम प्रचार करने जाओ, तो अपने हृदय में भय को न आने दो। अपने हृदय में किसी के प्रति कडवाहट न आने दो। अगर तुम कडवाहट रखते हो, तो तुम लोगों को केवल कडवाहट ही दोगे। अगर तुम भय रखते हो, तो तुम लोगों को केवल भय ही दोगे। परन्तु मैंने तुम्हें अपनी शांति देने के लिए बुलाया है। मैंने तुम्हें अपना जीवन देने के लिए बुलाया है। किसी भी परिस्थिति में, यह जान लो कि मैं, शांति का राजकुमार, तुम्हारे साथ हूँ। मेरे मुख की ओर देखो। मेरे आनंद का आनंद लो। तब किसी मनुष्य की कडवाहट, किसी मनुष्य की शत्रुता, किसी मनुष्य की ईर्ष्या तुम्हें छू नहीं पाएगी। इसके बजाय, तुम मेरी शांति भेजोगे। तुम मेरा जीवन भेजोगे।' मैंने इसी तरह जीवन जिया है और जितना अधिक विरोध मेरे विरुद्ध उठता है, प्रभु ने मुझे उतना ही अधिक आशीर्वाद दिया है और मुझे ऊँचा उठाया है।

> यीशु ने मृत्यु को सहा ताकि वह हमें जीवन दे सके और हमें जीवन के जल की नदियाँ बना सके

आनंद की नदी

भजन संहिता 36:8 कहता है: **'वे तेरे भवन की बहुतायत से तृप्त होते है, तू उन्हें अपनी आनंद की नदी से पिलाता है।' 'वह तेरे मन की इच्छा पूरी करे और तेरी सारी योजनाएँ सफल करे।' (भजन संहिता 20:4)**

आज आपकी जो भी प्यास है, प्रभु उसे बुझाएँगे। आपकी जो भी लालसा हो, वह उसे तृप्त करेंगे। वह स्वयं आपके आनंद की नदी बनेंगे, और वह आपको दूसरों के लिए अनंत आनंद की नदी बनाएँगे।

नीतिवचन 23:24 कहता है, 'धर्मी पुत्र का पिता बडा आनन्दित होता है; और बुद्धिमान पुत्र का पिता उससे प्रसन्न होता है।' परमेश्वर आपके बच्चों को बुद्धि देगा और आपको अपने सभी आनंद में डुबो देगा।

परमेश्वर द्वारा आपको दिया गया आशीर्वाद या तो आपके शत्रुओं का नाश करेगा या उन्हें बचाएगा। आज, प्रभु आपको आशीर्वाद देना चाहते हैं। क्या आप इस पर विश्वास करते हैं? यदि हाँ, तो अपने बॉस, अपने सहकर्मियों या लोगों द्वारा आपके विरुद्ध लाई गई किसी भी रिपोर्ट से न डरें। यह न कहें, 'मैं उसे बदला दूँगा।' इसे प्रभु पर छोड़ दें। आपके भीतर शांति बनी रहनी चाहिए। सबके साथ शांति। आपके माध्यम से, इस दुनिया में शांति आनी चाहिए। शांति का राजकुमार आपके माध्यम से प्रकट होना चाहिए। आप को शांति की नदी बनने के लिए बुलाया गया है। जब शांति की यह नदी, जीवन की यह नदी, आनंद की यह नदी आपके भीतर बहेगी, तब आपका जीवन स्थिर हो जाएगा। आप विचलित नहीं होंगे। परमेश्वर आप के बीच रहेगा। इस महीने और जीवन के सभी दिनों में आप इस अनुग्रह का अनुभव करें। परमेश्वर आपको आशीष दे।

चमत्कारों का प्रवेश द्वार

बैतहसदा प्रार्थना केंद्र परमेश्वर द्वारा चुना गया एक ऐसा स्थान है जहाँ उनकी उपस्थिति का अनुभव अनिवार्य रूप से होता है। यूहन्ना 5 में वर्णित बैतहसदा के कुंड की तरह, जहाँ बीमार और थके हुए लोग चंगाई के लिए आते थे, यहाँ भी बडी संख्या में लोग हृदय की गहरी पुकार लेकर आते हैं। देश-विदेश के लोग अपने जीवन की किसी जरूरत के लिए चमत्कार की उम्मीद में बैतहसदा आते हैं और यहाँ की गई एक भी प्रार्थना अनुत्तरित नहीं रहती। पिछले वर्ष ही हमें 7,333 से ज्यादा गवाहियाँ प्राप्त हुई।

बैतहसदा कोयंबटूर के कारुण्या नगर के शांत परिसर में स्थित है, जिसे अक्सर 'दक्षिण भारत का मैनचेस्टर' कहा जाता है, क्योंकि यह तमिलनाडु के सबसे बडे.शहरों में से एक है और इसकी आबादी 31,59,000 लाख से ज्यादा है। यह कपडा, इंजीनियरिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सूचना प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख केंद्र है। फिर भी, लोगों की सामान्य प्रार्थनाएँ उनके बोझ को उजागर करती हैं, जिनमें संतान प्राप्ति, विवाह, पारिवारिक आशीर्वाद, बच्चों का भविष्य, वीजा, नौकरी में स्थानांतरण और प्रवेश, कर्ज.से मुक्ति, व्यापार में नुकसान, बेरोजगारी, शैक्षणिक दबाव, अवसाद, आत्महत्या के विचार, व्यसन, दीर्घकालिक बीमारियाँ, अकेलापन, संपत्ति विवाद, जादू-टोना और बुरी आत्माएँ, परिवार में टूटे रिश्तों की बहाली, परिवार के सदस्यों का उद्धार और भी बहुत कुछ शामिल है।

बैतहसदा प्रार्थना केंद्र अपने सभी आगंतुकों के लिए आशा, चंगाई और परिवर्तन का एक पवित्र स्थल बना हुआ है। पिछले 32 वर्षों में, इसने ईश्वर की चमत्कारी शक्ति से अनगिनत जीवन को आशीर्वाद दिया है।

तमिलनाडु के राजन की गवाही सुनें

मैंने कई वर्षों तक जीवनसाथी की तलाश की, लेकिन हर प्रस्ताव में बाधाएँ आईं। आखिरकार, मैंने एक ऐसी महिला से शादी की, जिसकी ओपन-हार्ट सर्जरी हुई थी और उसे बताया गया था कि वह कभी बच्चा पैदा नहीं कर सकती। रिश्तेदारों को हमारे भविष्य पर संदेह था, लेकिन शादी के अगले दिन हमने बैतहसदा में एक धन्य जीवन के लिए प्रार्थना की। सभी को आश्चर्य हुआ कि मेरी पत्नी उसी महीने गर्भवती हो गई। डॉक्टरों ने जानलेवा जटिलताओं की चेतावनी दी थी, लेकिन जब मैंने बैतहसदा प्रार्थना केंद्र को फोन किया, तो एक प्रार्थना मध्यस्थ ने मुझे चिंता न करने का आश्वासन दिया। प्रभु ने हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया और हमें एक सुंदर बच्ची का आशीर्वाद दिया।

बैतहसदा आने या फोन करने वालों के जीवन में हर दिन इसी प्रकार का परिवर्तन हो रहा है।

बैतहसदा प्रार्थना केंद्र सेवकाई के साथ साझेदारी करने का आह्वान

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, बैतहसदा प्रार्थना केंद्र ने 2,56,400 आत्माओं की सेवा की है, जिनमें से प्रत्येक ने परमेश्वर के स्पर्श का अनुभव किया है। इस मिशन को आगे बढाने और कोयंबटूर के 31,59,000 लोगों तक पहुँचने तथा अपने सभी आगंतुकों को आशीर्वाद देने के लिए, बैतहसदा को हर महीने कम से कम 600 स्वैच्छिक प्रार्थना मध्यस्थों, 100 राजदूतों और लगभग 300 विस्तारित स्वयंसेवकों की आवश्यकता है जो इस मिशन के लिए आराधना, संगीत और देखभाल टीमों के रूप में मदद करें।

हमें आपकी प्रार्थना और उदार सहयोग की आवश्यकता है।

आपका हर्षोल्लासपूर्ण दान हमें इस सेवकाई को बनाए रखने और विस्तारित करने में मदद करेगा ताकि कोई भी आत्मा यीशु के उपचार, मुक्ति और जीवन-परिवर्तनकारी स्पर्श से अछूती न रहे।

आप कैसे सहयोग कर सकते है

- एक व्यक्ति तक पहुँचने और उसे आशीर्वाद देने में हमारी मदद के लिए, आप रु. 1,000/- का दान दे सकते हैं
- 100 लोगों तक पहुँचने और उसे आशीर्वाद देने में हमारी मदद के लिए, आप रु. 1,00,000/- का दान दे सकते हैं
- 1,000 लोगों तक पहुँचने और उसे आशीर्वाद देने में हमारी मदद के लिए, आप रु. 10,00,000/- का दान दे सकते हैं

DONATE TO BETHESDA

या आप प्रभु के निर्देशानुसार दान कर सकते है

इस ईश्वर-प्रदत्त कार्य में दान और सहयोग देने के लिए www.jesuscalls.org/donate/Bethesda पर जाएँ

बैतहसदा प्रार्थना केंद्र - अवसर आपका इंतजार कर रहे है

समूह भ्रमण और रिट्रीट:

- **बैतहसदा में रिट्रीट या आध्यात्मिक शिविर के लिए अपने चर्च/टीम को साथ लाएँ!**
- **दोस्तों और परिवार या अपने चर्च के साथ एक यात्रा ग्रुप बुक करें, 3 या 5 दिनों के लिए भोजन, आवास और दर्शनीय स्थलों की यात्रा का पैकेज उपलब्ध है।**

हम नियुक्ति कर रहे है:

पद: प्रबंधक - बैतहसदा प्रार्थना केंद्र, कौशल: 10 वर्षों का प्रबंधकीय अनुभव ✻ सेवकाई में कुशल ✻ प्रचार और धन उगाहने में कुशल ✻ विपणन कौशल ✻ बहुभाषी

आवेदन करें: careers@jesuscalls.org

बैतहसदा में अभिषिक्त, बहुभाषी स्वयंसेवक

परामर्शदाता, प्रार्थना मध्यस्थ, संगीतकार और गायक के रूप में सेवा करेंगे। शयन कक्ष में ठहरने की सुविधा उपलब्ध है।

बैतहसदा में बुकिंग या सेवा के लिए, कृपया +91 98409 99917 पर कॉल करें।

प्रभु आपको भरपूर आशीर्वाद दें क्योंकि आप बैतहसदा के माध्यम से लाखों लोगों को आशीर्वाद देने के लिए हमारे साथ साझेदारी करते है।

अभाव रहित परिवार

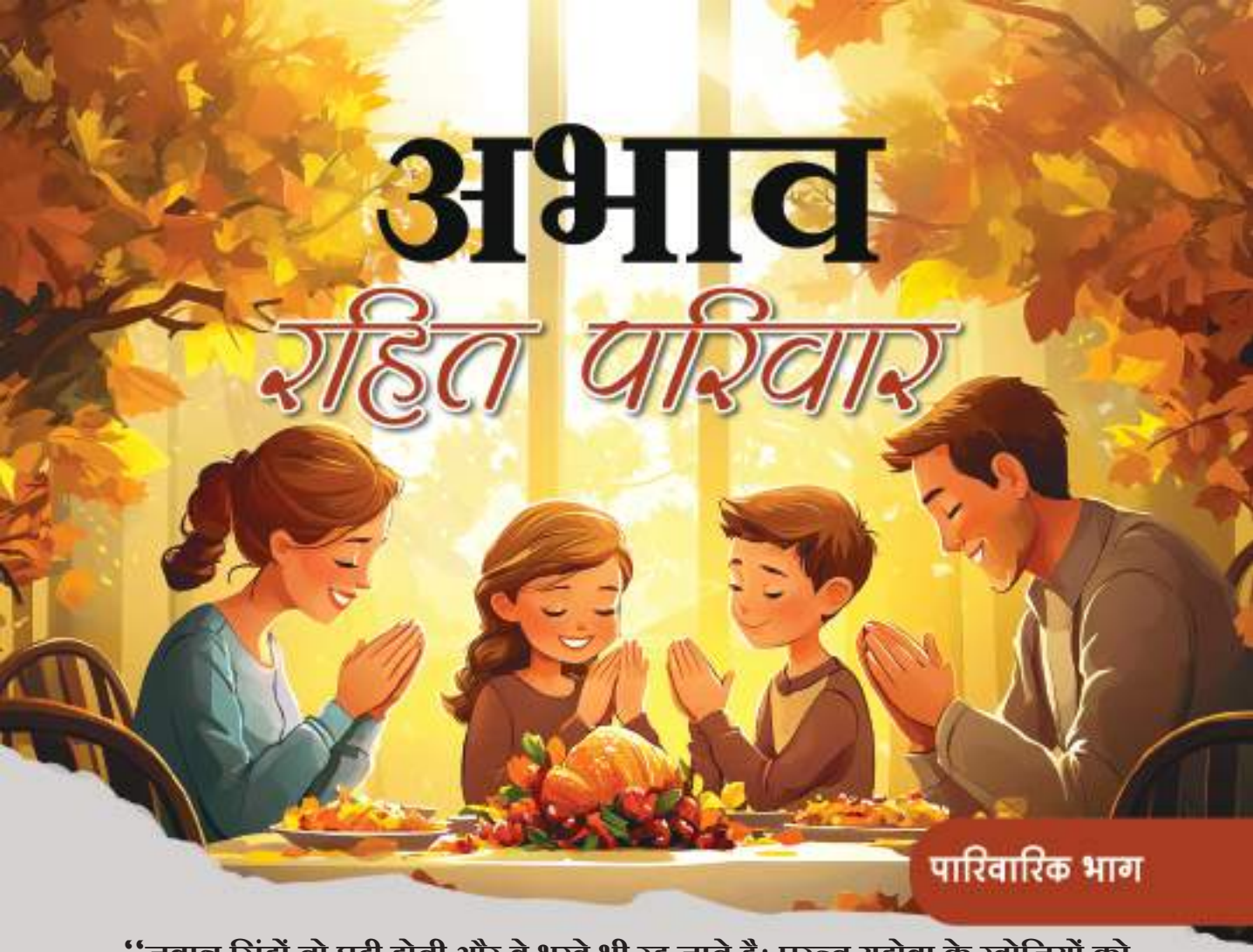

पारिवारिक भाग

''जवान सिंहों तो घटी होती और वे भूखे भी रह जाते है; परन्तु यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की घटी न होवेगी।'' (भजन संहिता 34:10)

प्रिय मित्र,

परमेश्वर का वचन हमें आश्वस्त करता है कि जो लोग उसे खोजते हैं, उन्हें किसी वस्तु की घटी नहीं होगी। मानवीय बुद्धि, धन और उपलब्धियाँ संतुष्टि का वादा कर सकती हैं, लेकिन मसीह के बिना, आत्मा खाली रहती है। दाऊद, जिसने राजत्व की प्रचुरता और जंगल के अकेलेपन, दोनों का अनुभव किया था, ने विश्वास के साथ घोषणा की: ''यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ घटी न होगी'' (भजन संहिता 23:1)। वह समझता था कि सच्ची परिपूर्णता संपत्ति में नहीं, बल्कि परमेश्वर की उपस्थिति में पाई जाती है।

जब आप प्रभु को खोजते हैं, तो आप अपने जीवन के हर पहलू में उसकी परिपूर्णता को आमंत्रित करते हैं, चाहे वह आपकी व्यक्तिगत जरूरतें हों या आपके प्रियजनों का स्वास्थ्य, उद्धार, आशीषें और परिवार की आर्थिक जरूरतें।

चाइना इनलैंड मिशन के संस्थापक, जेम्स हडसन टेलर (1832-1905) एक ऐसे व्यक्ति का सशक्त उदाहरण हैं, जिन्हें किसी चीज.की कमी नहीं थी क्योंकि उन्होंने प्रभु को सर्वोपरि माना। अपनी युवावस्था से ही, टेलर ने अपनी जरूरतों के लिए केवल परमेश्वर पर निर्भर रहने का संकल्प लिया था। चीन जाने से पहले ही, उन्होंने नियमित वेतन लेने से इनकार करते हुए, प्रार्थना के माध्यम से परमेश्वर पर भरोसा रखते हुए, आस्था से जीने का फैसला किया।

जब वे 1854 में चीन पहुँचे, तो उन्हें गृहयुद्ध, बीमारी, आर्थिक तंगी और विदेशी उपस्थिति से रहित देश में सुसमाचार प्रचार करने जैसी अपार चुनौतियों का सामना करना पड़ा। फिर भी, टेलर ने कभी अभाव की ओर नहीं देखा; बल्कि, उन्होंने उस प्रभु की ओर देखा जिसने उन्हें बुलाया था।

ऐसे दिन भी थे जब भोजन की कमी थी और धन कम था,

बहन इवेंजेलिन पॉल दिनाकरन / evangeline@jesuscalls.org

फिर भी, परमेश्वर ने हर बार जरूरत की पूर्ति की। टेलर ने प्रसिद्ध रूप से लिखा था, 'परमेश्वर के मार्ग से किए गए ईश्वर के कार्य में ईश्वर की आपूर्ति की कभी कमी नहीं होगी।' यह केवल एक आदर्श वाक्य ही नहीं, बल्कि उनके सेवकाई में एक जीवंत वास्तविकता थी।

...उनकी पत्नी, मारिया, उनके साथ निष्ठापूर्वक खडी रहीं और उन्होंने मिलकर एक ऐसे घर का निर्माण किया जो मसीह का सम्मान करता था। हालाँकि उन्हें बीमारी के कारण बच्चों की मृत्यु सहित हृदयविदारक क्षति का सामना करना पडा, फिर भी उनके परिवार को परमेश्वर के सांत्वना, शक्ति या निरंतर अनुग्रह की कभी कमी नहीं हुई। उन्होंने जो मिशन शुरू किया, चाइना इनलैंड मिशन, अंततः चीन के हृदयस्थल में हजारों मिशनरियों को भेजने तक पहुँच गया, जिसने लाखों लोगों के जीवन को छुआ। टेलर, लूका 22:35 में शिष्यों की तरह, गवाही दे सकते थे, जब यीशु ने पूछा, ''क्या तुम्हें किसी चीज.की कमी हुई?'' उन्होंने कहा, ''हे प्रभु, किसी चीज.की कमी नहीं हुई।''

हडसन टेलर की कहानी हमें सिखाती है कि जब आप प्रभु का भय मानते हैं, जब आप उन्हें खोजते हैं और जब आप उनकी सेवा करते हैं, तो आपको किसी चीज.की कमी नहीं होगी। ईश्वर न केवल आपकी जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि वह आपको और आपके परिवार को उस कार्य के लिए भी तैयार करेगा जिसके लिए उसने आप सभी को बुलाया है।

पर्याप्तता का रहस्य

पवित्रशास्त्र लगातार इस सत्य को प्रकट करता है। भजन 37:25 कहता है, **''मैं जवान था और अब बूढा हो गया हूँ, परन्तु मैंने कभी धर्मी को त्यागा हुआ या उनके बच्चों को रोटी माँगते नहीं देखा।''** हाँ, जो लोग प्रभु का भय मानते हैं और उनके मार्गों पर चलते हैं, वे उनके प्रावधानों की छत्रछाया में रहते हैं। जब आप उन्हें सर्वोपरि रखते हैं, तो वे न केवल आपकी आत्मा को आशीर्वाद देते हैं, बल्कि आपके दैनिक जीवन के लिए आवश्यक भौतिक प्रावधान भी प्रदान करते हैं, जैसा कि स्वयं यीशु ने मत्ती 6:33 में वादा किया है, **'पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करो, और ये सब वस्तुएँ तुम्हें मिल जाएँगी।''**

तुलना से बचाव

कई विश्वासियों के सामने एक बाधा यह होती है कि वे अपनी और अपने परिवार की तुलना दूसरों से करने का प्रलोभन महसूस करते हैं। हम अक्सर अपने पडोसियों या दोस्तों के मानकों के आधार पर आशीर्वादों को मापते हैं, और पूछते हैं, ''मेरे पास वह क्यों नहीं है जो उनके पास है?'' लेकिन परमेश्वर की योजना हम सभी के लिए अद्वितीय है।

अपनी सेवकाई के शुरुआती चरणों में, मैं प्रार्थना करती थी कि परमेश्वर मुझे मेरे पति की तरह इस्तेमाल करें, जो एक शक्तिशाली उपदेशक हैं। मैंने अपनी मधुर वाणी की तुलना उनकी सशक्त उपदेश शैली से की और खुद को अपर्याप्त महसूस किया। लेकिन एक भविष्यवक्ता ने मुझे प्रोत्साहित किया कि मैं अपने पति का नहीं, बल्कि अपना खुद का वस्त्र माँगूँ। उसने मुझे याद दिलाया कि परमेश्वर के पास मेरी वाणी और बुलाहट के लिए एक अनूठी योजना और उद्देश्य है।

प्रिय मित्र, अपनी विशिष्टता का तिरस्कार न करें। परमेश्वर ने आपके और आपके परिवार के लिए विशेष रूप से आशीषें तैयार की हैं। ये आशीषें शायद किसी और की आशीषों जैसी न लगें, लेकिन ये आपकी नियति को पूरा करने के लिए बनाई गई हैं।

प्रचुरता में जीवन जीना

परमेश्वर की इच्छा केवल यह नहीं है कि आप जीवित रहें, बल्कि यह भी है कि आप उसकी प्रचुरता में फलें-फूलें। जैसा कि 3 यूहन्ना 1:2 कहता है, **''हे प्रिय, मेरी यह प्रार्थना है; कि जैसे तू आत्मिक उन्नति कर रहा है, वैसे ही तू सब बातों मे उन्नति करे, और भला चंगा रहे।''** जब आपकी आत्मा उसमें तृप्त होती है, तो बाकी सब कुछ अपने आप ठीक हो जाता है।

यूहन्ना 6:35 में स्वयं मसीह ने घोषणा की, 'जीवन की रोटी मैं हूँ। जो कोई मेरे पास आएगा वह कभी भूखा न रहेगा, और जो कोई मुझ पर विश्वास करेगा वह कभी प्यासा न होगा।'' क्या ही आश्वासन है! उसमें, आपको कभी कमी नहीं होगी।

इसलिए, कल की चिंता करने के बजाय, अपनी आँखें उस चरवाहे की ओर उठाएँ जो भरण-पोषण करता है। जिस तरह हडसन टेलर और उनके परिवार को किसी चीज.की कमी नहीं हुई, उसी तरह आपका परिवार भी शांति, स्वास्थ्य, भरण-पोषण और आनंद का अनुभव कर सकता है जब आप पूरे दिल से प्रभु को खोजेंगे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

अपने दिल की गहराई से, मैं बोलता हूँ...

"सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।"

सेवकाई में मेरे प्रिय सहभागी,

जब हम सुसमाचार का प्रचार करने के लिए साथ-साथ चलते हैं, तो मुझे यूहन्ना 8:32 में हमारे प्रभु के जीवनदायी वचन याद आते हैं: 'सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।'' इसी सत्य को ध्यान में रखते हुए, मैं आपको लिख रहा हूँ, उस स्वतंत्रता की पुष्टि करते हुए जो मसीह ने हमें दी है और दूसरों को भी इसी स्वतंत्रता की ओर ले जाने का आह्वान करता हूँ। आपकी दृढ़ प्रार्थनाएँ और विश्वासयोग्य समर्थन अनगिनत जीवनों को यीशु के सत्य से स्पर्शित करना संभव बनाते हैं। हम सब मिलकर उनके हाथों में उपकरण हैं, जो बंधन में फंसे लाखों लोगों तक स्वतंत्रता और आशा का संदेश पहुँचाते हैं।

इस महीने, मुझे विश्वास है कि प्रभु आपके माध्यम से एक बडे आयाम में कार्य करेंगे, और आपको अपने सत्य के माध्यम के रूप में उपयोग करके अनेकों लोगों तक उद्धार, चंगाई और आनंद पहुँचाएँगे। हम आपकी साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं और उनके राज्य के प्रति आपके समर्पण के माध्यम से स्वतंत्रता के फल को फलते-फूलते देखने के लिए उत्सुक हैं।

मैं आपके साथ पिछले महीने में प्रभु द्वारा सेवकाई के माध्यम से किए गए कुछ महान कार्यों को साझा करना चाहता हूँ:

- मैं सेवकाई पर उसके शक्तिशाली हाथ और प्रार्थना एवं आउटरीच के माध्यम से प्रभावित हुए अनगिनत जीवनों के लिए परमेश्वर को सारा श्रेय देता हूँ। प्रार्थना भवनों में, 1,38,768 आगंतुकों ने मध्यस्थता की शक्ति का अनुभव किया, जबकि टेलीफोन प्रार्थना भवनों के माध्यम से 3,80,002 कॉल करने वालों को सांत्वना मिली। सोशल मीडिया पर, 2,24,113 नए आगंतुकों तक पहुँचा गया, और ई-पत्रिकाओं ने 1.5 लाख पाठकों तक सेवा पहुँचाई। इसके अलावा, पत्र और ईमेल लिखने वाले 53,596 लोगों को परमेश्वर के प्रेम और प्रतिज्ञाओं के आश्वासन के साथ प्रार्थनापूर्वक उत्तर दिए गए। प्रार्थना भवनों द्वारा आयोजित 67 आउटरीच सभाओं के माध्यम से भी प्रभु ने शक्तिशाली रूप से कार्य किया, और 3,563 लोगों को आशीर्वाद और उत्थान प्रदान किया। प्रार्थना भवनों में साप्ताहिक उपवास प्रार्थना सभाओं के दौरान लगभग 16,125 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया। सचमुच, यह प्रभु का कार्य है, और हमारी दृष्टि में यह अद्भुत है!
- 4 सितंबर, 2025 को, यीशु बुलाता है, कारुण्या और सीशा परिवार मेरे 63 वें जन्मदिन के अवसर पर एक साथ आए और मिशन को पूरा करने के लिए, उसकी वफादारी के लिए और मुझे एक शक्तिशाली तरीके से इस्तेमाल करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर, कोइम्बतूर में 63वें नए शिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया और पादरियों को उनके चर्चों के निर्माण और नवीनीकरण में सहायता प्रदान की गई। विभिन्न कलीसियाओं के 20 पादरियों को कुल 63 लाख रुपये का दान मिला। वृद्धाश्रमों और अनाथालयों को दान के साथ-साथ एक नेत्र शिविर, रक्तदान शिविर और भोजन उत्सव का भी आयोजन किया

गया। प्रेम के इस कार्य के माध्यम से, 41 बाल गृहों, 39 वृद्धाश्रमों, 16 पुनर्वास केंद्रों, 18 विशेष बाल गृहों और 5 दृष्टिहीन विद्यालयों में भोजन, कपडे, प्रावधान और देखभाल साझा की गई और 2,000 से अधिक लोगों को आशीर्वाद दिया गया। चेन्नई स्थित दिनाकरन स्मारक प्रार्थना भवन में आराधना, केक काटना और चर्च के अगुवों के आशीष के वचन शामिल थे। मैंने परमेश्वर की परिवर्तनकारी शक्ति की अपनी गवाही साझा की और सभी को परमेश्वर के आह्वान को पूरा करने में विनम्र और निष्ठावान बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन आशीर्वाद और धन्यवाद की प्रार्थनाओं के साथ हुआ।

- यीशु बुलाता है तमिल यूट्यूब चैनल पर 'जेबामे जेम' लाइव कार्यक्रम 10,215 से ज़्यादा दर्शकों तक पहुँच चुका है और कई लोगों को अपार आशीर्वाद लिा है। हिंदी लाइव कार्यक्रम यीशु बुलाता है के अंग्रेजी चैनल पर हर बुधवार और तेलुगु लाइव कार्क्रम यीशु बुलाता है के तेलुगु चैनल पर हर गुरुवार शाम 7:30 बजे से 8:30 बजे तक स्ट्रीम होगा। अपनी प्रार्थनाएँ साझा करने के लिए हमें +91 8546 999 000 पर लाइव कॉल करें।
- सितंबर 2025 में, कई प्रभावशाली सभाएँ आयोजित की गई। 5 तारीख को अमिनजीकराई स्थित ब्लेसिंग वर्शिप सेंटर में 50 घंटे की वॉर रूम प्रार्थना और आराधना आयोजित की गई, जहाँ लगभग 500 लोगों को प्रार्थना और आराधना के माध्यम से आशीर्वाद मिला। 7 तारीख को, रविवार सुबह की आशीर्वाद सभा चेन्नई के डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन स्मारक प्रार्थना भवन में आयोजित की गई, जहाँ मैंने लगभग 1,000 लोगों को सेवा प्रदान की। 14 तारीख को, मैंने और मेरी पत्नी ने चेन्नई के अन्ना नगर स्थित यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन में सेवा प्रदान की, जहाँ कई लोगों ने परमेश्वर की उपस्थिति का अनुभव किया और अपने विश्वास में मजबूत होकर वहाँ से चले गए।

हमारी निरंतर प्रार्थनाएँ और विश्वासयोग्य समर्थन अनगिनत जीवनों को यीशु के सत्य से प्रभावित होने में सक्षम बनाते है

प्रार्थना की जरूरतें

नवंबर में, हमारा लक्ष्य प्रार्थना भवनों के जरिए 2,50,000 लोगों, टेलीफोन प्रार्थना भवनों के जरिए 10,00,000 कॉल करने वालों, टीवी और सोशल मीडिया के जरिए 2 करोड. लोगों, पत्रों और ईमेल के जरिए 1,00,000 लोगों और पत्रिकाओं के जरिए 2 लाख घरों तक पहुँचना है। कृपया प्रार्थना में इन प्रयासों को जारी रखें, ताकि ये ज्यादा फल दें और हमारी कल्पना से भी ज्यादा आत्माओं पर प्रभाव डालें।

बैतहसदा प्रार्थना केंद्र मिनिस्ट्री के माध्यम से मृत्युशय्या से जी उठे

''अब से जो प्रार्थना इस स्थान में की जाएगी, उस पर मेरी आंखें खुली और मेरे कान लगे रहेंगे और अब मैं ने इस भवन को अपनाया और पवित्र किया है कि मेरा नाम सदा के लिये इस में बना रहे; मेरी आंखें और मेरा मन दोनों नित्य यहीं लगे रहेंगे।' (2 इतिहास 7:15, 16)

चेन्नई की बहन अन्नपूर्णी की माँ गंभीर रूप से बीमार थीं और वेंटिलेटर सपोर्ट पर थीं, लेकिन बैतहसदा प्रार्थना केंद्र में की गई प्रार्थनाओं के माध्यम से, डॉक्टरों के पूर्वानुमान के बावजूद, वे चमत्कारिक रूप से ठीक हो गई।

हाँ, बैतहसदा प्रार्थना केंद्र भविष्यसूचक दर्शन द्वारा स्थापित एक शरणस्थल है और इसलिए अनगिनत लोग प्रार्थना और धन्यवाद में अपने हृदय की बात कहने आते हैं। अपनी स्थापना के बाद से, यह आशा का एक पवित्र स्थान रहा है, जहाँ थकी हुई आत्माओं को सांत्वना मिलती है, टूटे हुए हृदयों को चंगाई मिलती है, और साधकों को परमेश्वर की पवित्र उपस्थिति की शांति का अनुभव होता है। वर्षों से, 80 लाख से अधिक आगंतुकों ने बैतहसदा में उनके अद्भुत चमत्कारों को देखा है, जो प्रार्थनाओं के उत्तर, चमत्कारी चंगाई और परिवर्तित जीवन की गवाही देते हैं।

जब मैं पीछे मुडक़र देखता हूँ, तो मैं पिछले बत्तीस वर्षों से बैतहसदा प्रार्थना केंद्र सेवकाई को बनाए रखने में परमेश्वर की अविश्वसनीय निष्ठा पर केवल आश्चर्यचकित हो सकता हूँ। आइए, हम ईश्वर की निरंतर कृपा के लिए उसका धन्यवाद करें और मैं आपको अपने और अपने प्रियजनों के जीवन में चमत्कार देखने के लिए बैतहसदा आने के लिए आमंत्रित करता हूँ। प्रार्थना केंद्र के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया इस अंक का पृष्ठ 6 देखें।

युवा सहभागी ने IIT-JEE में टॉप किया

'तेरे सब लडक़े यहोवा के सिखलाए हुए होंगे, और उनको बडी शान्ति मिलेगी।' (यशायाह 54:13)

मुम्बई के रिची ने 2.5 लाख छात्रों में से IIT-JEE में 29 वां रैंक हासिल की और IIT मुम्बई कंप्यूटर साइंस में दाखिला लिया। आपका बच्चा भी युवा सहभागी योजना में दाखिला लेकर ऐसी ही उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल कर सकता है।

यीशु बुलाता है युवा सहभागी योजना, बच्चों और युवाओं को प्रभु के मार्गों में पोषित करने की एक दिव्य पहल है। दैनिक प्रार्थनाओं, आध्यात्मिक मार्गदर्शन और समर्पित मध्यस्थता के माध्यम से, युवा साथी जैसे-जैसे बडे.होते हैं, उन्हें परमेश्वर की सुरक्षा, ज्ञान और कृपा प्राप्त होती है। यह योजना अगली पीढी को आस्था के अगुवों के रूप में ढालने का प्रयास करती है, उन्हें अपने स्कूलों, कॉलेजों, कार्यस्थलों और समुदायों में मसीह के साक्षी के रूप में चमकने के लिए सक्षम बनाती है। युवा सहभागी बनकर, बच्चों को एक प्रार्थना कवच मिलता है जो परमेश्वर के साथ उनके चलने को मजबूत करता है और उन्हें आत्मविश्वास, आशा और उद्देश्य के साथ भविष्य में कदम रखने के लिए सशक्त बनाता है। इस योजना में अपने बच्चों के नामांकन की विस्तृत जानकारी के लिए, पृष्ठ 26 देखें।

572 कलीसियाओं का समर्थन करके परमेश्वर के राज्य का विस्तार

'... इस भवन को बनाओ; और मै उसको देखकर प्रसन्न हूंगा, और मेरी महिमा होगी।'
(हाग्गै 1:8)

चर्च निर्माण, यीशु बुलाता है के सेवकाई का आरंभ से ही प्रमुख उद्देश्य रहा है क्योंकि हमें प्राप्त होने वाले सभी दान का दसवाँ हिस्सा, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में, चर्चों के निर्माण और नवीनीकरण में पादरियों और कलीसियाओं की सहायता के लिए उपयोग किया जाता है। पिछले एक वर्ष में, 545 पादरियों और 27 कलीसियाओं को आशीर्वाद मिला है। परमेश्वर के कई सेवक सीमित संसाधनों के साथ ईमानदारी से काम करते हैं, और इस मिशन के माध्यम से, उन्हें ऐसे आराधना स्थल स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन मिलता है जहाँ समुदाय प्रार्थना करने, परमेश्वर का वचन सुनने और अपने विश्वास में मजबूत होने के लिए एकत्रित हो सकें। आपका समर्थन न केवल हमें परमेश्वर के राज्य में अपने कार्य को आगे बढाने में मदद करता है, बल्कि कई पादरियों को उनके ईश्वर-प्रदत्त आदेश को पूरा करने में भी मदद करता है।

बैतहसदा में 80 लाख से अधिक आगंतुकों ने उसके अद्भुत चमत्कारों को देखा है, जो प्रार्थनाओं के उत्तर, चमत्कारी चंगाई और परिवर्तित जीवन की गवाही देते हैं

टेलीफोन प्रार्थना भवन को धन्यवाद, अब रातों की नींद में और कोई बाधा नहीं होगी

'मुझ से प्रार्थना कर और मै तेरी सुन कर तुझे बडी-बडी और कठिन बातें बताऊंगा जिन्हें तू अभी नहीं समझता।'
(यिर्मयाह 33:3)

भाई माइकल की पत्नी ने मध्यस्थों द्वारा फोन पर की गई प्रार्थनाओं के माध्यम से अनिद्रा से मुक्ति का अनुभव किया। यीशु बुलाता है की टेलीफोन प्रार्थना भवन सेवकाई जरूरतमंद लोगों के लिए आशा की एक प्रार्थना-पंक्ति है, जो लोगों को चौबीसों घंटे, जहाँ भी वे हों, प्रार्थना सहायता प्रदान करता है, और उन्हें याद दिलाता है कि हर परिस्थिति में, प्रभु बस एक प्रार्थना की दूरी पर हैं। अधिकांश महीनों में, 4,00,000 से ज्यादा लोग हमें अपनी परेशानियों, बीमारियों और संघर्षों के साथ फोन करते हैं, और समर्पित प्रार्थना मध्यस्थों द्वारा उनके साथ प्रार्थना करने, परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं और प्रोत्साहन भरे वचनों को साझा करने से उन्हें सांत्वना मिलती है। इन प्रार्थनाओं के माध्यम से चंगाई, छुटकारा, शांति और सफलता का अनुभव करने वालों की अनगिनत गवाही मिलती है। अपने प्रोत्साहन के लिए, यह जानने के लिए कि यह सेवकाई कितना जीवन-परिवर्तनकारी है, पृष्ठ 14 देखें और अपने उन मित्रों और शुभचिंतकों के साथ 8546 999 000 नंबर साझा करें जिन्हें प्रार्थना सहायता की आवश्यकता हो सकती है।

कारुण्या अस्पताल:

'मै तुम से सच कहता हूं, कि तुम ने जो मेरे इन छोटे से छोटे भाइयों में से किसी एक के साथ किया, वह मेरे ही साथ किया।' (मत्ती 25:40)

मैं कारुण्या अस्पताल के लिए परमेश्वर का पूरे दिल से धन्यवाद करता हूँ, जो हजारों वंचित व्यक्तियों के लिए आशा की किरण बन गया है। जिन लोगों को उचित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, उनके लिए इस अस्पताल ने

करुणा के साथ अपने द्वार खोले हैं, मुफ्त उपचार और किफायती देखभाल प्रदान की है। जीवन रक्षक सर्जरी, जैसे जोड. प्रतिस्थापन, थायरॉइडेक्टोमी, आर्थोस्कोपिक और लेप्रोस्कोपिक प्रक्रियाएं, हर्निया और अपेंडिक्स की मरम्मत, गर्भाशय की सर्जरी, मैक्सिलोफेशियल ऑपरेशन और पित्ताशय की थैली निकालना्न्यूनतम लागत पर उत्कृष्टता के साथ किए जाते हैं। आस-पास के गांवों के गरीब वंचित मरीजों के लिए भी मुफ्त सर्जरी की जाती है, निवारक चिकित्सा में एक सामाजिक प्रतिबद्धता के रूप में कारुण्या हॉस्पिटल्स ने अगले साल सितंबर तक आस-पास के गांवों और जिलों में 40 मुफ्त चिकित्सा शिविरों की योजना बनाई है और इस शिविर के मरीज जिन्हें उच्च उपचार की आवश्यकता है उन्हें कारुण्या हॉस्पिटल्स लाया जाएगा और उनका मुफ्त इलाज किया जाएगा। अपने मिशन को और आगे बढाते हुए कारुण्या हॉस्पिटल ने 'हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' लॉन्च किया है,इस मिशन के लिए परमेश्वर की कृपा करें, ताकि बीमारों को चंगा किया जा सके, गरीबों की देखभाल की जा सके, और सेवा के हर कार्य के माध्यम से परमेश्वर की महिमा हो।

प्रार्थना की आवश्यकताएँ

हम आपको आगामी आशीष सभाओं में शामिल होने के लिए हार्दिक आमंत्रित करते हैं:

- **25 दिसंबर: चेन्नई में डॉ. डी. जी. एस. दिनाकरन स्मारक प्रार्थना भवन में, दिनाकरन परिवार के साथ क्रिसमस आशीष सभा**
- **जनवरी में, चेन्नई में नव वर्ष आशीष सभा**

कृपया इन आयोजनों के लिए प्रार्थना करें और उपस्थित होने की योजना बनाएँ। आइए और परमेश्वर की असीम आशीषें प्राप्त करें।

एक विशेष दिन

- 10 अक्टूबर को, हम उस दिन को याद करते हैं जब मेरे पिता, भाई डी.जी.एस. दिनाकरन को पवित्र आत्मा का अभिषेक और यीशु बुलाता है का दर्शन प्राप्त हुआ था।

प्रिय सहभागी, प्रभु में आपका परिश्रम व्यर्थ नहीं है, बल्कि अनगिनत जीवनों में फल दे रहा है। दृढ.रहें और किसी भी चीज. को अपने ऊपर हावी मत होने दे, और हमेशा प्रभु के कार्य में पूरी तरह से समर्पित रहें (1 कुरिन्थियों 15:58) आइए, हम सब मिलकर विश्वास के साथ तब तक आगे बढते रहें जब तक कि उसका राज्य पूरी तरह प्रकट न हो जाए। मैं प्रभु के नाम पर आपको आशीर्वाद देता हूँ और आपके लिए अपनी हार्दिक प्रार्थनाओं का आश्वासन देता हूँ।

आपका भाई जो आपके लिए प्रार्थना करता है,
डॉ पॉल दिनाकरन

टेलीफोन प्रार्थना भवन सेवकाई

चमत्कारों की आशा की किरण

हम आपके साथ चौबीसों घंटे प्रार्थना करने के लिए यहाँ हैं

24 X 7 PRAYER LINE
8546 999 000

मै तुमसे सच-सच कहता हूँ कि यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बात के लिये एकमन होकर उसे मांगें,तो वह मेरे पिता की ओर से स्वर्ग में है उन के लिये हो जाएगी।' मत्ती 18:19

अधिकांश महीनों में, 4,00,000 से ज्यादा लोग यीशु बुलाता है टेलीफोन प्रार्थना भवन में फोन करते है, तुरंत प्रार्थना प्राप्त करते है और परमेश्वर की चमत्कारी शक्ति का अनुभव करते है। प्रशिक्षित, अभिषिक्त और समर्पित मध्यस्थ, करुणा और विश्वास से प्रेरित होकर, चौबीसों घंटे प्रार्थना करते है, विश्वास करते है, और प्रतिदिन सफलताओं के साक्षी बनते है। जैसे प्रेरितों के काम 12 में, जहाँ कलीसिया की प्रार्थना ने पतरस को जेल से बाहर निकाला था, आज आपकी प्रार्थना अलौकिक चमत्कार ला सकती है। डॉ पॉल दिनाकरन और उनकी टीम प्रत्येक प्रार्थना के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना करते है, और अनगिनत जीवन बदल गए है। यहाँ परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के कुछ प्रमाण दिए गए है:

प्रार्थना से जीवन में बदलाव

पिछले 2 सालों से मै बेरोजगार थी। पिछले महीने की 26 तारीख को, मैंने प्रार्थना के लिए यीशु बुलाता है टेलीफोन प्रार्थना भवन को फोन किया। उसी हफ्ते मुझे नौकरी मिल गई। मै इस चमत्कार के लिए परमेश्वर का धन्यवाद और स्तुति करती हूँ।

– बानू, चेन्नई

केरल एक विधवा होने के नाते, मुझे कई चुनौतियों का सामना करना पडा, खासकर दूसरों के हस्तक्षेप के कारण अपनी जमीन बेचने में। लेकिन प्रार्थना भवन में प्रार्थना करने के बाद, मै जमीन बेच पाई, एक नया घर खरीद पाई, और तीन साल बाद अपनी विधवा पेंशन भी प्राप्त कर पाई। परमेश्वर ने मेरी कल्पना से भी बढक़र प्रदान किया।

– के. सुशीला, आंध्र प्रदेश

इस सेवकाई के माध्यम से परमेश्वर हर दिन क्या कर रहे है, इसकी एक झलक मात्र है। हर पुकार सुनी जाती है। हर प्रार्थना मायने रखती है और चमत्कार रोज हो रहे है। आने वाले महीनों में, हम स्वयंसेवी टेलीफोन प्रार्थना मध्यस्थों को प्रशिक्षित करके और इस टेलीफोन प्रार्थना भवन सेवकाई को आगे बढाकर 10,00,000 लाख कॉल करने वालों के लिए प्रार्थनाएँ जुटाने का प्रयास कर रहे है।

इस मिशन का हिस्सा बनें

10 लाख लोगों तक पहुँचने और उन्हें आशीर्वाद देने में हमारा साथ दें। टेलीफोन प्रार्थना भवन सेवकाई में तकनीक, दूरसंचार अवसंरचना और मानव संसाधनों पर काफी खर्च होता है। 1000 रुपये एक आत्मा के लिए प्रार्थना में मदद करेंगे। आपके उदार दान से हम लाखों संकटग्रस्त लोगों के लिए प्रार्थना कर पाएँगे।

दान करने के लिए: www.jesuscalls.org/donate/TPT

DONATE TO TPT

टेलीफोन प्रार्थना भवन सेवकाई में अवसर

वरिष्ठ प्रबंधक - टेलीफोन प्रार्थना भवन

स्थान: चेन्नई; आवश्यक कौशल: वरिष्ठ प्रबंधकीय अनुभव (10 वर्ष से अधिक) ✻ ग्राहक सेवा कौशल ✻ विश्लेषणात्मक ✻ CRM आधारित संचालन

आवेदन करें: careers@jesuscalls.org

परमेश्वर आपकी आवाज का जंज़ीरों को तोडने, दिलों को भरने और दरवाजे खोलने के लिए उपयोग करें। आइए, लाखों लोगों के आँसू पोंछें।

हमारे साथ स्वयंसेवा करें

हमारे टेलीफोन प्रार्थना भवन केंद्रों से दूसरों के लिए प्रार्थना करने के लिए अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और कन्नड भाषा में टेलीफोन प्रार्थना मध्यस्थों के रूप में जुडें। आप अपने घर के डेस्कटॉप/लैपटॉप से हमारे टेलीफोन प्रार्थना भवन सिस्टम से जुडकर भी प्रार्थना कर सकते हैं।

उपलब्ध शिफ्ट: 3, 6, या 8 घंटे

हमें रात की शिफ्ट और परीक्षा के मौसम में प्रार्थना करने के लिए और अधिक स्वयंसेवी टेलीफोन प्रार्थना मध्यस्थों की आवश्यकता है ताकि बढती कॉलों की संख्या को पूरा किया जा सके।

ईमेल: tpt@jesuscalls.org | +91 6380 752 266

दर्शन: पूरे भारत में 1000 चर्चों का निर्माण

''...इस चट्टान पर मै अपनी कलीसिया बनाऊंगा: और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।'' (मत्ती 16:18)

अपनी स्थापना के समय से ही, यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री प्रभु की कलीसियाओं के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रही है, और इस मिशन के लिए प्राप्त प्रत्येक दान का दसवाँ भाग अलग रखती है। हर महीने, सभी योगदानों का 10% सीधे भारत के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में पादरियों की सहायता और कलीसियाओं के निर्माण में जाता है। पिछले वर्ष में ही, बहुमूल्य सहयोगियों के समर्पित दान के माध्यम से, हमने 572 कलीसियाओं के निर्माण और सुदृढीकरण में योगदान दिया है।

बाइबल हमें 2 कुरिन्थियों 9:7 में याद दिलाती है, **''तुम में से हर एक को उतना ही देना चाहिए जितना उसने अपने मन में ठाना है, न कि अनिच्छा से, न ही दबाव से, क्योंकि परमेश्वर हर्ष से देने वाले से प्रेम रखता है।''** आपकी उदारता के कारण, कई कलीसियाएँ स्थापित हुई हैं, और अनगिनत आत्माओं को प्रभु में बचाया और पोषित किया गया है। इन कलीसियाओं के माध्यम से मसीह के पास आने वाला प्रत्येक व्यक्ति आपके स्वर्गीय खाते में जमा होता है, और प्रभु निश्चित रूप से आपको सम्मान और आशीर्वाद देंगे।

आज तक, परमेश्वर की कृपा से, यीशु बुलाता है ने पूरे भारत में 100 से अधिक कलीसियाओं के निर्माण में योगदान दिया है। फिर भी, हमारा लक्ष्य इससे भी कहीं अधिक महान है! हमारा लक्ष्य परमेश्वर की महिमा के लिए 1000 कलीसियाओं का निर्माण करना है। आइए, हम सब मिलकर पादरियों को मजबूत बनाएँ, विश्वासियों को प्रोत्साहित करें, और ग्रामीण तथा दूर-दराज के क्षेत्रों में परमेश्वर के राज्य की स्थापना करें।

आपके दान से एक कलीसिया का निर्माण इस प्रकार हुआ:

बाढ़ में हमारा कलीसिया नष्ट हो गया, जिससे विश्वासियों को गहरा दुःख हुआ क्योंकि हमारी संगति ठप्प हो गई। आर्थिक तंगी के कारण हमारी छोटी सी छप्पर की इमारत का पुन: स्थापित नहीं हो सका। इस विकट स्थिति में, हमने यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री से संपर्क किया। डॉ पॉल दिनाकरन व्यक्तिगत रूप से हमारे गाँव आए, नुकसान देखा, और मदद का वादा किया। उसके वचन के अनुसार, एक साल के भीतर हमारे लिए एक सुंदर कंक्रीट का कलीसिया बनकर तैयार हो गया। आज, मन्नारगुडी में हमारा कलीसिया फल-फूल रहा है और समुदाय के सभी लोगों के लिए आशीर्वाद और सांत्वना का प्रतीक है।

-पादरी जॉन मथियाझागन, मन्नारगुडी

पादरी जॉन मथियाझागन की तरह, अनगिनत पादरियों, उनके परिवारों और उनके चर्चों को इस समय में परमेश्वर के कार्य को आगे बढाने के लिए सहायता प्रदान की जा रही है!

दान करने के लिए: www.jesuscalls.org/donate/Church

आइए, हम सब मिलकर परमेश्वर के राज्य का निर्माण करें!

पृष्ठ 17 पर आएँ और उन विभिन्न भुगतान विधियों के बारे में जानें जिनके माध्यम से आप यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री को अपना दान भेज सकते हैं।
पादरियों और उनके कलीसियाओं को और अधिक सहयोग देने के लिए, आप दान करते समय 'कलीसिया निर्माण पहल' निर्दिष्ट करके इस मिशन में योगदान दे सकते हैं।

DONATE TO CHURCH BUILDING

क्षमा माँगने के बाद भी मै खालीपन क्यों महसूस करता हूँ?

हेनरी फिलिप पूछते है...

डॉ पॉल दिनाकरन के उत्तर...

क्षमा ईसाई जीवन का मूल है, लेकिन कुछ लोग परमेश्वर की दया का अनुभव करने के बाद भी खालीपन, शक्तिहीनता या आशीर्वादहीनता का अनुभव क्यों करते हैं?

इसका उत्तर इस बात को समझने में निहित है कि क्षमा अंतिम चरण नहीं है, बल्कि मसीह में एक परिवर्तित जीवन की शुरुआत है।

क्षमा हमें नया बनाती है

प्रेरित पौलुस लिखते हैं, 'इसलिए, यदि कोई मसीह में है, तो नई सृष्टि आ गई है: पुरानी बातें बीत गई है, देखो, सब कुछ नया हो गया है!' (2 कुरिन्थियों 5:17) जब परमेश्वर हमें क्षमा करते हैं, तो वे केवल हमारे पापों को ही नहीं मिटाते; वे हमें मसीह में एक नई पहचान देते हैं।

यह सत्य मेरे अपने जीवन में साकार हुआ। कॉलेज के वर्षों के दौरान, मुझे लगातार असफलताओं का सामना करना पडा। मेरा स्वास्थ्य कमजोर था, मै भय से जूझ रहा था, और मै अपने लिए कोई भविष्य नहीं देख पा रहा था। मेरे पापों का मुझ पर भारी बोझ था, और मै पूरी तरह से अयोग्य महसूस कर रहा था। लेकिन एक दिन, जब मैने अपना जीवन यीशु को समर्पित कर दिया, तो उन्होंने मेरे पापों को धो डाला और मुझे एक नई सृष्टि बना दिया। उसी क्षण से, मैने एक वाचा बाँधी: मै अपने पुराने पापों की ओर नहीं लौटूँगा, न ही उन मित्रताओं की ओर जो मुझे परमेश्वर से दूर ले गई। इसके बजाय, मैने यीशु को अपना सबसे करीबी साथी चुना। मुझे याद है कि मै कॉलेज वापस गया था, इस बार एक नए दृष्टिकोण के साथ। मै अपने बगल में एक खाली कुर्सी रखता और कल्पना करता कि यीशु वहाँ मेरे मित्र के रूप में बैठे है। चाहे मै पढ. रहा होता, टहल रहा होता, या सेवकाई की तैयारी कर रहा होता, मै उनसे बातें करता। मै कहता, 'प्रभु, आप मेरे मित्र है। मुझे आपके योग्य जीवन जीने में मदद करें। मुझे सिखाएँ कि मुझे क्या करना है।' उनके साथ इस रोजाना चलने से सब कुछ बदल गया। पवित्र आत्मा मेरा मार्गदर्शक बन गया, जिसने मुझे सिखाया कि क्या पढ़ना है, कैसे जीना है और परमेश्वर की सेवा कैसे करनी है। धीरे-धीरे, वही लोग जो कभी मुझ पर दया करते थे, मेरे परिवर्तन पर आनन्दित होने लगे। सचमुच, जब मैने पवित्रता और उनके साथ घनिष्ठता में चलने का चुनाव किया, तो परमेश्वर का आशीर्वाद मेरे साथ रहा।

क्षमा हमें परमेश्वर के साथ एक बनाती है

कई ईसाई क्षमा माँगना तो छोड.देते हैं, लेकिन संगति में नहीं आ पाते। क्षमा हमें पुनर्जीवित करती है, लेकिन मसीह के साथ संबंध हमें सहारा देता है।

राजा दाऊद ने इस सत्य को समझा। अपने पापों का पश्चाताप करने के बाद, उन्होंने प्रार्थना की, 'मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर, और न ही अपनी पवित्र आत्मा को मुझसे अलग कर' (भजन संहिता 51:11)। दाऊद जानते थे कि परमेश्वर की उपस्थिति के बिना क्षमा उन्हें खाली छोड. देगी। प्रभु की स्थायी उपस्थिति ही थी जिसने उन्हें शांति, मार्गदर्शन और समृद्धि प्रदान की। आज भी यही सिद्धांत लागू होता है। क्षमा द्वार है, लेकिन यीशु के साथ मित्रता वह कमरा है जहाँ आशीर्वाद का अनुभव होता है।

> **क्षमा परमेश्वर का वरदान है। आशीर्वाद परमेश्वर का वादा है। लेकिन हमारे दैनिक जीवन में परमेश्वर के साथ घनिष्ठता और दूसरों के साथ संबंध हमारा चुनाव है**

इतिहास हमें इस सत्य के प्रभावशाली उदाहरण देता है। जॉन न्यूटन, जो कभी दास व्यापारी थे, उन्होंने परमेश्वर की क्षमा का अनुभव किया और सुसमाचार के प्रचारक बन गए। उनके पापमय जीवन को मसीह के लहू ने धो डाला, लेकिन यीशु के साथ उनके निरंतर संबंध ने उन्हें अलग जीवन जीने की शक्ति दी। उन्होंने दास व्यापारी का अपना व्यवसाय त्याग दिया। इसी आत्मीयता से 'अमेजिंग ग्रेस' भजन की उत्पत्ति हुई, जिसने सदियों से लाखों लोगों को प्रभावित किया है। न्यूटन की कहानी हमें याद दिलाती है कि आशीर्वाद केवल इसलिए नहीं मिलते क्योंकि पाप क्षमा कर दिए जाते हैं, बल्कि इसलिए मिलते हैं क्योंकि एक क्षमा किया हुआ हृदय प्रतिदिन मसीह के साथ चलने का चुनाव करता है और दूसरों के साथ अपने संबंधों में हम जो करते हैं उसमें मसीह के स्वभाव को प्रदर्शित करता है।

जो लोग परमेश्वर के साथ चलते है, उनके साथ आशीर्वाद मिलते है

बाइबल घोषणा करती है, **'निश्चय भलाई और करुणा जीवन भर मेरे साथ साथ बनी रहेंगी'**

(भजन संहिता 23:6)।

'अनुसरण' शब्द पर ध्यान दें। आशीर्वादों का पीछा नहीं किया जाता। वे उन लोगों को स्वाभाविक रूप से मिलते हैं जो परमेश्वर की उपस्थिति में रहते हैं।

क्षमा शर्म को दूर करती है, लेकिन पवित्रता और आज्ञाकारिता सम्मान को आमंत्रित करती है। जब हम परमेश्वर के लिए जीते हैं, तो आशीर्वाद प्रश्नचिह्न नहीं रह जाते। वे एक निश्चितता बन जाते हैं। परमेश्वर आपको उसकी क्षमा की पूर्णता का अनुभव करने में मदद करे।

क्षमा परमेश्वर का वरदान है। आशीर्वाद परमेश्वर का वादा है। लेकिन हमारे दैनिक जीवन में परमेश्वर के साथ घनिष्ठता और दूसरों के साथ संबंध हमारा चुनाव है।

लाखों लोगों के आँसू पोंछने के लिए यीशु बुलाता है
सेवकाई का समर्थन करने के तरीके

DIGITAL ONLINE SCAN & PAY

SCAN & PAY INSTANTLY VIA UPI

Paytm G Pay PhonePe

UPI jesuscalls@indus

BANK TRANSFER:

Bank	Beneficiary	A/c No.	IFSC
IndusInd	JESUS CALLS	555444333222111	INDB0000167
ICICI	JESUS CALLS	000901056144	ICIC0000009

Please share your donation detail to us through Whatsapp to 98409 99923

Website: www.jesuscalls.org/donate

Jesus Calls Mobile app (available in Android & iOS)

OFFLINE METHODS

- EMO/Cheque /DD in favour of "JESUS CALLS"
- Can be sent by registered post to: Prayer Tower, 16, Dr. DGS Dhinakaran Road, Chennai 600028.
- In person: At the prayer tower in your area

For donation related/partner plans/receipts related queries, please call or Whatsapp 98409 99923. For 24x7 Prayer support, please call 8546999000

आपका विशेष रक्षक

''जितने हथियार तेरी हानि के लिये बनाए जाएं, उन में से कोई सफल न होगा। '' - यशायाह 54:17

मेरे प्यारे युवा मित्र, इस अक्टूबर महीने में, परमेश्वर हमारा विशेष रक्षक होने का वादा करता है। वह हमें केवल दूर से ही नहीं देख रहा है, बल्कि वह हमारे सभी मार्गों में सक्रिय रूप से हमारी रक्षा कर रहा है। दिन-रात, कोई आप पर गहरे प्रेम और प्रबल सुरक्षा के साथ नजर रख रहा है। वह कोई स्वयं परमेश्वर है।

यशायाह 54:17 घोषणा करता है, ''जितने हथियार तेरी हानि के लिये बनाए जाएं, उन में से कोई सफल न होगा।'' क्या ही शक्तिशाली वादा है! परमेश्वर यह नहीं कहता कि हथियार नहीं बनेंगे, बल्कि वह यह भी कहता है कि वे सफल नहीं होंगे। हमले हो सकते हैं, परीक्षाएँ आ सकती हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। क्यों? क्योंकि प्रभु आपकी रक्षा कर रहे हैं। इस महीने, यह जानकर तसल्ली पाएँ कि आप अकेले नहीं हैं। राजाओं के राजा आप पर नजर रख रहे हैं। वह आपकी ढाल और रक्षक हैं।

लेकिन आइए इस बात से अनजान न रहें कि शैतान हमेशा परमेश्वर की संतानों के विरुद्ध विशेष हमलों की योजना बनाता रहता है। वह हमारा अध्ययन करता है। वह जानता है कि हम कहाँ कमजोर हैं और उसका अंतिम लक्ष्य हमें परमेश्वर से दूर करना है। वह चाहता है कि हम लगातार चिंता करते रहें: 'क्या मेरे साथ ऐसा होगा?' 'अगर कुछ गडब्रड.हो गई तो क्या होगा?' 'क्या मैं सुरक्षित हूँ?' 'क्या लोग मुझे पसंद करते हैं?' शत्रु हमें आत्म-केंद्रितता और भय के चक्र में फँसाना चाहता है। वह चाहता है कि हम अपनी ऊर्जा समर्पण करने के बजाय जीवित रहने पर, परमेश्वर को प्रसन्न करने के बजाय लोगों को प्रसन्न करने में लगाएँ।

शत्रु के तीन सामान्य हमले

1) प्रलोभन

प्रलोभन व्यक्तिगत होता है। शैतान अच्छी तरह जानता है कि किस तरह का प्रलोभन आपको विचलित करेगा। जो एक व्यक्ति को गिराता है, वह दूसरे को प्रभावित नहीं भी कर सकता। लेकिन इन सबके बीच, प्रभु प्रतिरोध करने और विजय पाने की शक्ति देता है। आप अकेले नहीं लड.रहे हैं।

2) उद्देश्य से भटकाव

आजकल कई युवा लोकप्रियता के आधार पर रास्ते चुनते हैं। सोशल मीडिया हमें प्रकाश

samuel@jesuscalls.org samueldhinakaranofficial

के लिए जीने के बजाय लाइक पाने के पीछे भागना सिखाता है। हम पूछने लगते हैं: 'मैं अपने दोस्तों को कैसे पसंद करूँ?' 'मुझे क्या लोकप्रिय बनाएगा?' यह एक सूक्ष्म हमला है। जब हमारे चुनाव परमेश्वर के उद्देश्य के बजाय जनता की स्वीकृति से प्रेरित होते हैं, तो हम खतरनाक रास्ते पर चल रहे होते हैं। लेकिन याद रखें: लोगों की स्वीकृति फीकी पड.जाती है। परमेश्वर की कृपा हमेशा बनी रहती है।

परमेश्वर यह नहीं कहते कि हथियार नहीं बनेंगे, बल्कि वे यह भी कहते हैं कि वे सफल नहीं होंगे

3) प्रियजनों पर हमले

शत्रु की एक और चाल है हमारे परिवार और दोस्तों के जरिए डर पैदा करना। उदाहरण के लिए, जब मेरे पिता प्रचार करने जाते थे, तो कई बार मेरी माँ बीमार पड.जाती थीं। शत्रु ने प्रचार रोकने के लिए डर का इस्तेमाल करने की कोशिश की। लेकिन मेरी माँ विश्वास में दृढ.रहीं: 'जाओ और प्रचार करो। मेरी चिंता मत करो।' उनके साहस के कारण, कई लोगों को आशीर्वाद मिला और वह भी ठीक हो गई। अगर हम अपने प्रियजनों के साथ जो हुआ उसके डर से परमेश्वर ने हमें जो करने के लिए कहा है उसे करना छोड.देते हैं, तो शैतान जीत जाता है। लेकिन अगर हम परमेश्वर पर भरोसा रखें और विश्वास में आगे बढते रहें, तो हम जीत हासिल करते हैं और हमारे प्रियजन भी।

हमारे संरक्षक का हृदय

मैं आपको एक कहानी सुनाता हूँ:

एक बार एक आदमी था जिसका चेहरा और शरीर पर गहरे निशान थे, उसका चेहरा बिगड.गया था। पडोसी का लडका अक्सर अपने दोस्तों को उस आदमी का मजाक उडाने के लिए लाता था और उसके घर के पास से गुजरते हुए हँसता था। एक दिन, लडके की माँ ने यह सब सुन लिया और उसे एक तरफ खींच लिया। 'उस आदमी पर मत हँसो,' उसने धीरे से कहा। 'जब तुम बच्चे ही थे, हमारे घर में आग लग गई थी। हम लाचार थे। वही आदमी आग की लपटों में भागा और तुम्हें बचाया। तुम्हारी जान बचाते हुए वह बुरी तरह जल गया।' लडका रो पडा। वह उसी का मजाक उडा रहा था जिसने उसे बचाया था। वह दौडकर उस आदमी के पास गया और उसे कसकर गले लगा लिया।

क्या हममें से कई लोग यीशु के साथ ऐसा ही नहीं करते?

उसने क्रूस पर अपनी जान दे दी, हमारे लिए वे जख्मी और लहूलुहान हो गए ताकि पाप और शैतान हमें निगल न जाएँ। फिर भी, कभी-कभी, हम उसे भूल जाते हैं। हम अपने फैसलों या अपने दोस्तों के साथ उनका मजाक भी उडाते हैं। लेकिन वे कभी मुँह नहीं मोडते।

कृतज्ञता और विश्वास का आह्वान

इस महीने, आइए अपने संरक्षक के पास लौटें। आइए कहें: 'यीशु, मुझे माफ.करना। मेरी रक्षा करने के लिए धन्यवाद। मेरे लिए अपना खून बहाने के लिए धन्यवाद। मेरे जीवन की देखभाल करने के लिए धन्यवाद, तब भी जब मैं अनजान था। मुझे अपने मार्ग पर ले चलो। मुझे भटकने से बचाओ। मुझे अपने उद्देश्य में साहसपूर्वक चलने दो।' आइए, अपने संरक्षक के साथ इस यात्रा का आनंद लें। वह न केवल हमारी रक्षा करेंगे, बल्कि हमें आनंद, शांति और विजय की ओर ले जाएँगे। परमेश्वर इस महीने आपको आशीर्वाद दें, जैसा कि उन्होंने वादा किया है।

सामान्य प्रश्न:

1. **हाल ही में शत्रु ने आपके विरुद्ध कौन से 'हथियार' बनाने की कोशिश की है?**
2. **क्या आप भय, प्रलोभन या दूसरों की स्वीकृति से विचलित हुए है?**
3. **इस महीने आप अपने संरक्षक परमेश्वर पर जानबूझकर और अधिक भरोसा करने के लिए क्या कर सकते है?**

प्रार्थना:

प्रभु यीशु, मेरे रक्षक और संरक्षक होने के लिए धन्यवाद। शत्रु की चालों को पहचानने और विश्वास में दृढ रहने में मेरी सहायता करें। मेरे हृदय को प्रलोभन और भय से बचाएँ। मेरे जीवन के अपने उद्देश्य में मेरी अगुवाई करें। मै आप पर भरोसा करना चुनता हूँ। आमीन।

YOUTUBE CHANNEL
@UTurnJC
SUBSCRIBE

इस संसार में ऐसे बहुत से लोग हैं जो प्रभु को नहीं खोजते और अपनी मर्जी से जीते हैं! ऐसे लोग, जो बिना किसी उद्देश्य के जीते हैं, श्रद्धा से प्रभु की खोज नहीं करते, बल्कि अपनी इच्छा और लालसाओं को स्थापित करना चाहते हैं। इसके अलावा, वे सांसारिक मन के अधीन होते हैं और देवताओं के परमेश्वर की दिव्य इच्छा को कभी नहीं खोजते। ये वे लोग हैं जो अपने शरीर और मन को प्रसन्न करने वाले कार्य करते हैं और इस प्रकार अपनी शांति खो देते हैं क्योंकि वे पापों और उन चीजों के गुलाम बन जाते हैं जो मसीह को नापसंद हैं।

'हमारी शांति के लिए ताड़ना पड़ी' (यशायाह 53:5)

हम बाइबल में पढ़ते हैं, 'प्रभु अपने लोगों को बल देगा; प्रभु अपने लोगों को शांति का आशीर्वाद देगा' (भजन संहिता 29:11) और 'यह शांति होगी' (मीका 5:5)। विशेष रूप से, हम कुलुस्सियों 1:20,21 में क्या पढ़ते हैं?

'...और उसी (प्रभु यीशु मसीह) के द्वारा सब वस्तुओं का अपने साथ मेल कर ले, चाहे वे पृथ्वी की हों या स्वर्ग की, अपने क्रूस पर बहाए गए लहू के द्वारा शांति स्थापित कर ले। और तुम्हें भी जो पहले अलग किए हुए और मन से दुष्ट कर्मों के कारण बैरी थे, अब उसने अपनी देह में मृत्यु के द्वारा मेल कर लिया, ताकि तुम्हें अपने सम्मुख पवित्र और निर्दोष और निष्कलंक उपस्थित करे।'

प्रेरितों के काम 9 वें अध्याय में, हम शाऊल नामक एक व्यक्ति के बारे में देखते हैं, जो अंधकार में जी रहा था और परमेश्वर द्वारा दी गई शांति की महिमा को नहीं जानता था। उसने प्रभु के विरुद्ध कई काम किए और वह 'क्रोध का पात्र' था। हालाँकि, प्रभु यीशु मसीह ने उस पर दया की और एक दिन उससे मिले, जिसके परिणामस्वरूप वह 'दया का पात्र' बन गया जिसके द्वारा बहुत से लोगों को परमेश्वर की शांति प्राप्त हुई।

प्रियो, क्या आप प्रभु यीशु के लहू से धुल चुके हैं और आपको यह 'दिव्य शांति' प्राप्त हुई है? या फिर, आज प्रभु यीशु मसीह स्नेहपूर्वक अपने हाथ आपकी ओर फैलाकर आपको इसे व्यक्तिगत रूप से और एक परिवार के रूप में प्राप्त करने के लिए आमंत्रित करते हैं। इस शांति की महिमा

को समझते हुए, पूरी विनम्रता से स्वयं को उनके प्रति समर्पित करें ताकि आप भी 'दया के पात्र' बन सकें। तब प्रभु आपको अपनी दिव्य कृपा प्रदान करेंगे और आपको भी अपनी शांति से भर देंगे।

प्रभु उन लोगों की रक्षा करते है जो उन पर भरोसा करते है

'जिसका मन तुझ पर स्थिर रहता है, उसे तू पूर्ण शांति में रखता है, क्योंकि वह तुझ पर भरोसा रखता है।'

(यशायाह 26:3)

हम यह भरोसा कैसे प्राप्त करते हैं? प्रभु उन लोगों को यह दिव्य भरोसा और पूर्ण शांति प्रदान करते हैं जिनका मन उन पर स्थिर रहता है। हम बाइबल में पढते हैं कि अब्राहम, दाऊद, अय्यूब और अन्य जैसे परमेश्वर के लोगों को यह दिव्य भरोसा था और उन्होंने अपने जीवन में यह पूर्ण शांति और आशीषें प्राप्त कीं। वे सभी आँसुओं के रास्तों से गुजरे, विभिन्न कष्टों और अभावों से घिरे रहे।

दिव्य शांति की महिमा को समझते हुए, स्वयं को दया के पात्र बनने के लिए समर्पित करें

परमेश्वर के जन अब्राहम, जो वृद्ध थे, उनकी कोई संतान नहीं थी। फिर भी उसने प्रभु पर विश्वास किया, 'जो उन चीजों को, जो हैं ही नहीं, ऐसा कहते हैं मानो वे हैं' (रोमियों 4:17) और उसकी प्रतिज्ञाओं पर पूरा भरोसा था। परिणामस्वरूप, उसने वृद्धावस्था में अनुग्रहपूर्वक पुत्र इसहाक को प्राप्त किया और दिव्य शांति और आनंद से भर गया।

तदनुसार, परमेश्वर के जन दाऊद ने, एक विशेष समय पर, अपने जीवन में सब कुछ खो दिया और जब वह चारों ओर से व्यथित था, तब उसने 'प्रभु में अपने आप को दृढ.किया', जैसा कि हम 1 शमूएल 30:6 में पढते हैं। परिणामस्वरूप, क्या हुआ? सबसे पहले, उसका हृदय और जीवन प्रभु की दिव्य शांति से भर गया। साथ ही, हम पढते हैं कि उसने बिना कुछ खोए 'सब कुछ पुनः प्राप्त कर लिया' (1 शमूएल 30:19)। इसीलिए उसने भजन संहिता 23 में खुशी से गाया है, 'प्रभु मेरा चरवाहा है; मुझे कुछ घटी न होगी।'

प्रियजनों, क्या आप अपने जीवन में कठिनाइयों और वेदनाओं से गुजरते हुए, सारी शांति और आनंद खोकर, आँसुओं में जी रहे हैं? या क्या आप जीवन में विभिन्न आवश्यकताओं और इच्छाओं के कारण निराश और दुःखी हैं?

'किसी भी बात की चिन्ता मत करो, परन्तु हर एक बात में प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ अपने निवेदन परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित करो; तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।'

(फिलिप्पियों 4:6,7)

'अपना मार्ग यहोवा पर छोड. दे, उस पर भरोसा रख, वही उसे पूरा करेगा।'

(भजन संहिता 37:5)

हर दिन, आपको व्यक्तिगत रूप से और पूरे परिवार के साथ, परमेश्वर से प्रार्थना करके उन बातों के बारे में परमेश्वर को बताना चाहिए जिनसे आपकी शांति भंग होती है। साथ ही, आपको श्रद्धापूर्वक उनके चरणों में प्रतीक्षा करनी चाहिए, इस विश्वास के साथ कि वह नियत समय पर आपकी प्रार्थनाओं का उत्तर देंगे। तब, निश्चय ही वह आपकी सभी प्रार्थनाओं और विनतियों का उत्तर देंगे और आपको आशीर्वाद देंगे और आपको ऊँचा उठाएँगे।

अपने वैवाहिक जीवन के शुरुआती दिनों में, जब भी मैं प्रभु की ओर देखता और उनसे प्रार्थना करता, तो वे मुझसे बात करते और चमत्कारिक रूप से मुझे अपनी शांति और आनंद से भर देते और मुझे एक धन्य जीवन प्रदान करते।

शांति का प्रभु तुम्हें पवित्र करेगा

'शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे'

(1 थिस्सलुनीकियों 5:23)

आजकल, हम देखते हैं कि लोग विभाजन और कटुता का जीवन जी रहे हैं, परिवार में कोई एकता, प्रेम, शांति और आनंद नहीं है। पति-पत्नी और माता-पिता-बच्चों के बीच कई समस्याएँ हैं। खासकर, आजकल बहुत से बच्चे अपने वृद्ध माता-पिता के प्रेम की अवहेलना करते हैं, जिन्होंने उन्हें त्याग और बलिदान से पाला है; वे अपने माता-पिता के साथ शांति से नहीं रह पाते और उन्हें परेशानी और दर्द दिया। इसी तरह, भाई-बहन भी अपने मतभेदों के कारण अपनी शांति खोकर आँसुओं में जी रहे हैं।

बाइबल में हम पढते हैं कि दो भाई एसाव और याकूब दुश्मन की तरह रहते थे, बिना किसी शांति के और यहाँ तक कि हत्या करना चाहते थे। आज भी, हम कई लोगों को अपने परिवारों में ऐसी ही दुश्मनी, नफरत, फूट और कडवाहट के कारण शांति के बिना जीते हुए देखते हैं। इस मोड.पर, चूँकि याकूब ने सच्चे दिल से प्रभु की खोज की, इसलिए उसका जीवन ईश्वर की दिव्य शांति से भर गया। जैसा कि हम रोमियों 16:20 में पढते हैं, शांति के परमेश्वर ने शैतान को अपने पैरों तले कुचल दिया, क्योंकि याकूब ने ईश्वरों के परमेश्वर को अपना निजी उद्धारकर्ता मान लिया। सही समय पर, परमेश्वर ने भाइयों के बीच शांति प्रदान की और दोनों फिर से मिल गए और अपने पिता इसहाक को एक मन से दफनाया और इस प्रकार उन्हें सम्मानित किया। प्रभु ने उन्हें दिव्य शांति से भर दिया और उनका मार्गदर्शन किया।

शांति का परमेश्वर आप को हर अच्छे काम में सिद्ध करेगा

इसलिए, प्रियो, जैसा कि बाइबल कहती है, आइए हम यह समझें कि 'परमेश्वर ने हमें शांति के लिए बुलाया है' (1 कुरिन्थियों 7:15) और उसके अनुसार चलने के लिए तत्पर रहें। साथ ही, जैसा कि फिलिप्पियों 4:6,7 में पढा गया है, आइए हम प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद सहित परमेश्वर को अपनी सभी विनतियों से अवगत कराएँ और इस प्रकार 'परमेश्वर की उस शांति' से परिपूर्ण होने का दिव्य अनुग्रह प्राप्त करें जो समझ से परे है।

'अब शांति का परमेश्वर, जिसने हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया, भेडों का महान चरवाहा, सनातन वाचा के लहू के द्वारा तुम्हें उसकी इच्छा पूरी करने के लिए हर अच्छे काम में सिद्ध करे, और यीशु मसीह के द्वारा जो उसे भाता है, वह तुम में उत्पन्न करे, जिसकी महिमा युगानुयुग होती रहे।'

जैसा कि हम इब्रानियों 13:20,21 में पढते हैं, शांति का परमेश्वर, जिसने हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया, तुम्हें उसकी इच्छा पूरी करने के लिए हर भले काम में सिद्ध करे!

प्रतिदिन के सुवचन

अक्टूबर 2025

1 **यूहन्ना 8:32 – सत्य आपको स्वतंत्र करेगा**
मनन: भजन संहिता 119:170; प्रेरितों के काम 16:36; 2 कुरिन्थियों 3:17

2 **यहेजकेल 37:14 – परमेश्वर की आत्मा**
मनन: यशायाह 59:21; दानिय्येल 4:18; लूका 1:35; प्रेरितों के काम 2:17,18

3 **यहेजकेल 36:11 – प्रभु तुम्हें शुभ समाचार देगा**
मनन: नीतिवचन 28:2; 2 कुरिन्थियों 13:9,11

4 **यशायाह 43:19 – प्रभु मार्ग निकालेगा**
मनन: नहे 9:19; भजन संहिता 25:12; 31:3; 1 कुरिन्थियों 1:13 12:31

5 **नीतिवचन 22:29 – सावधान रहें**
मनन: नीतिवचन 12:24; 1 पतरस 4:7; 2 पतरस 1:10

6 **1 पतरस 2:3 – उत्सुक रहें**
मनन: अय्यूब 6:8; भजन संहिता 42:1; 91:14; सुलैमान 2:3; 2 कुरि 5:2

7 **3 यूहन्ना 2 – जीवित रहें और समृद्ध होवें**
मनन: नहे 9:25; यशायाह 35:1–4; यहेजकेल 28:26; प्रेरितों के काम 14:17

8 **इब्रानियों 7:25 – वह जीवित है**
मनन: इब्रानियों 1:12; 13:8; प्रकाशितवाक्य 1:18

9 **भजन संहिता 121:4 – प्रभु आपका रक्षक है**
मनन: निर्गमन 23:20; नीतिवचन 3:26; यशायाह 52:12; जकर्याह 2:8

10 **यशायाह 59:19 – परमेश्वर की आत्मा**
मनन: यशायाह 61:1; यूहन्ना 16:13; प्रेरितों के काम 10:38; रोमियों 8:14

11 **लूका 6:38 – दो, तो तुम्हें भी दिया जाएगा**
मनन: नीतिवचन 11:25; मत्ती 10:41,42; मरकुस 4:24; 2 कुरि 9:6–8

12 **2 कुरिन्थियों 5:14 – मसीह का प्रेम**
मनन: यूहन्ना 13:1; गला 2:20; इफिसियों 3:18,19; 2 थिस्सलु 2:16,17

13 **नीतिवचन 2:6 – प्रभु बुद्धि देता है**
मनन: निर्गमन 35:30–33; दानिय्येल 2:21; लूका 21:15

14 **कुलुस्सियों 3:14 – सिद्ध प्रेम**
मनन: भजन संहिता 31:23; कुलुस्सियों 2:2; 1 यूहन्ना 2:5; 4:12,18

15 **15. रोमियों 8:32 – परमेश्वर सब कुछ देता है**
मनन:उत्पत्ति 1:28; 1 शमूएल 30:8; प्रेरितों के काम 17:25

16 **भजन संहिता 46:1 – संकट में प्रभु सहायक है**
मनन: उत्पत्ति 49:25; 2 इतिहास 14:11,12; यशायाह 41:13,14; 50:9

17 **यशायाह 43:4 – प्रभु आपका आदर करेगा**
मनन:1 शमूएल 18:30; 1 इतिहास 4:9,10; 29:11,12; यूहन्ना 12:26

18 **भजन संहिता 84:5 – प्रभु हमारा बल है**
मनन: निर्गमन 15:2; यशायाह 49:5; यिर्मयाह 16:19; इफिसियों 6:10

19 **1 शमूएल 2:1 –हमारा हृदय प्रभु में आनन्दित होता है**
मनन: भजन 28:7; 33:21; सपन्याह 3:14; जकर्याह 10:7

20 **भजन संहिता 145:18 – प्रभु हमारी पुकार सुनता है**
मनन:2 इतिहास 13:14–16; मत्ती 20:29–34; लूका 18:7,8

21 **यिर्मयाह 29:13 – परमेश्वर को खोजो और तुम उसे पाओगे**
मनन:व्यवस्थाविवरण 4:29; नीतिवचन 8:17; यशायाह 55:6

22 **भजन संहिता 103:11 – प्रभु की दया महान है**
मनन: 1 राजा 3:6; 2 इतिहास 1:8; भजन संहिता 86:13; 117:2

23 **2 तीमुथियुस 2:21 – सम्मान का पात्र**
मनन: उत्पत्ति 41:38–44; प्रेरितों के काम 9:15; 1 तीमुथियुस 5:17; इब्रानियों 2:7

24 **इफिसियों 1:12 – आप चुने हुए है**
मनन: 2 इतिहास 29:11; यशायाह 41:9; मत्ती 20:16; यूहन्ना 15:16

25 **गलतियों 2:20 – आप विश्वास से जीवित रहेंगे**
मनन: हबक्कूक 2:4; यूहन्ना 11:25; गलतियों 3:11; इब्रानियों 1:13 10:38

26 **लूका 10:19 – आप को कुछ भी हानि नहीं पहुँचाएगा**
मनन: भजन संहिता 121:6; यशायाह 27:3; दानिय्येल 6:22

27 **यहूदा 24 – पराक्रमी परमेश्वर**
मनन: व्यवस्थाविवरण 7:21; 1 इतिहास 29:11,12; 2 इतिहास 20:6; इब्रानियों 5:7

28 **भजन संहिता 40:2 – प्रभु के मार्ग दृढ़ है**
मनन: अय्यूब 33:11; भजन संहिता 37:23; 119:5; नीतिवचन 4:12; 20:24

29 **रोमियों 5:2 – परमेश्वर का अनुग्रह**
मनन: निर्गमन 33:19; गिनती 6:25; यशायाह 54:10; विलापगीत 3:32

30 **इफिसियों 6:16 – विश्वास**
मनन: उत्पत्ति 15:1–6; दानिय्येल 6:16–23; मरकुस 9:17–27

31 **भजन संहिता 73:26 – प्रभु मेरी चट्टान है**
मनन:2 शमूएल 22:2; भजन संहिता 62:2,6; यशायाह 26:4; 1 कुरिन्थियों 10:4

इन दैनिक आशीषों को नीचे दिए गए चैनलों पर देखें क्योंकि दिनाकरन परिवार इन सच्चाइयों को समझाता है और आपके साथ प्रार्थना करता है।

Website: www.jesuscalls.org/en/dpv
Facebook:Jesus Calls page
Youtube: Subscribe to JesusCalls

Family Channel Mobile App
Family Channel: Online at www.familychannel.org

अंधों के बीच एस्तेर प्रार्थना समूह सेवकाई

बहन स्टेल्ला दिनाकरन

डॉ पॉल दिनाकरन द्वारा प्रत्येक प्रार्थना भवन के माध्यम से वंचितों के लिए कुछ अच्छा करने की घोषणा के अनुसार, दिवंगत भाई डी.जी.एस. दिनाकरन के 90 वें जन्मदिन के अवसर पर, बहन अनीता पॉलसन और बहन जैस्मीन गुनासिंह ने कुछ प्राचीनों के साथ मिलकर सिलुवाईपेट्टई स्थित दृष्टिहीनों के लिए दया आश्रम में रहने वालों के लिए दोपहर का भोजन उपलब्ध कराया। जब हम वहाँ गए और उस आश्रम में रहने वाली 80 दृष्टिहीन बहनों को बताया कि हम यीशु बुलाता है से आए हैं, तो वे सभी हमारे साथ मिलकर यीशु बुलाता है का मुख्य गीत, यीशु बुलाता है तुम्हें...' गाने लगीं। उनमें से अधिकांश ने पलायमकोट्टई स्थित दृष्टिहीनों के विद्यालय से शिक्षा प्राप्त की थी। उनमें से कुछ भाई दिनाकरन द्वारा आयोजित सभा में भी शामिल हुई थीं। इसलिए, उन सभी ने हमारे द्वारा आयोजित सभा में खुशी-खुशी भाग लिया और एस्तेर प्रार्थना समूह में प्रार्थना के लिए शामिल होने की इच्छा भी व्यक्त की। आश्रम की प्रबंधक बहन लूर्डू पाकियम ने इन बहनों को इस सेवाकार्य में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। इसलिए, 09.08.25 को मैंने और एस्तेर प्रार्थना समूह की प्रमुख बहन अनीता पॉलसन और श्रीमती मैरी जेबासिंह ने, परमेश्वर की इच्छा के अनुसार, एस्तेर प्रार्थना समूह की सभा का संचालन किया। इस सभा में 18 बहनों ने बडे.उत्साह से भाग लिया। सभी ने हमारे साथ ताली बजाकर गीत गाए। प्रार्थना का समय बहुत प्रभावशाली था क्योंकि हमने प्रत्येक प्रार्थना बिंदु के लिए प्रार्थना की।

बहन मारिया सेल्वम ने 20वें प्रार्थना बिंदु के लिए सच्चे मन से प्रार्थना की, जो कि यीशु बुलाता है सेवकाइयों जैसे कि फैमिली चैनल, वेबसाइट और प्रार्थना भवन आदि के लिए था। कन्याकुमारी की बहन परीबाली ने बताया कि उन्होंने नागरकोइल में भाई दिनाकरन द्वारा आयोजित सभा में भाग लिया था। इस प्रकार, वहाँ की अधिकांश बहनों का यीशु बुलाता है सेवकाई से गहरा जुडाव है।

मैं ईश्वरों के परमेश्वर की कोटि-कोटि वंदना करती हूँ, जिन्होंने हमें इन प्रिय बहनों से मिलने और एस्तेर प्रार्थना समूह की सभा का संचालन करने की कृपा प्रदान की।

- बहन पॉलीन जोन्स,
समन्वयक, एस्तेर प्रार्थना समूह, तूतीकोरिन

प्रिय बहनों, हम आपको अपने क्षेत्र में भी एस्तेर प्रार्थना समूह शुरूकरने और एक समूह के रूप में अन्य बहनों के लिए प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करते हैं:

अधिक जानकारी के लिए:
बहन स्टेल्ला दिनाकरन, एस्तेर प्रार्थना समूह, 16, डी.जी.एस. दिनाकरन रोड,
चेन्नई 600 028, ईमेल: epg@jesuscalls.org

प्रभु में प्रिय!

एस्तेर प्रार्थना समूह सेवकाई, जिसकी शुरुआत 1988 में हुई थी, आज तक विभिन्न तरीकों से बढ़ रहा है और कई गुना बढ़ रहा है। हालाँकि, हर महीने, केवल कुछ ही लोग इस सेवकाई में वास्तविक दायित्व के साथ शामिल होते हैं, जो इसके प्रति अपनी जवाबदेही को समझते हैं! फिर भी, प्रभु उन पर नजर रख रहे हैं जो उनके सामने ईमानदारी और विश्वासपूर्वक अपने समूहों का उत्कृष्ट संचालन कर रहे हैं। इसलिए, इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रभु का दिव्य आशीर्वाद उन पर बना रहेगा।

'सच्चे मनुष्य पर बहुत आशीषें होती हैं' (नीतिवचन 28:20)। प्रभु अपने वचन के अनुसार, उनकी वफादारी के कारण उन्हें भरपूर आशीषें प्रदान करें!

इस समय, मुझे यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि हाल ही में कुछ बहनों, जिनकी आँखों की रोशनी नहीं थी, ने मिलकर इस प्रार्थना सभा में भाग लिया और मुझे अपनी गवाही, फोटो सहित भेजी। साथ ही, बहुत सी महिलाएँ, जिनकी आँखों की रोशनी है, अपना समय सोने और अंधेरे में बिता रही हैं। इस प्रार्थना सेवा को अनदेखा कर रहे हैं। जब मैं उनके बारे में सोचती हूँ, तो मुझे यह वचन याद आता है,

'आँखें होते हुए भी क्या तुम नहीं देखतीं? कान होते हुए भी क्या तुम नहीं सुनतीं? और क्या तुम्हें स्मरण नहीं रहता?' (मरकुस 8:18)

मेरी प्यारी बहनों! माताओं! छोटी बेटियों! प्यारी बेटियों! प्यारे दम्पतियों! क्या आप सो रही हैं, इस सेवा को चलाने में कोई रुचि नहीं है? या, क्या आप पुनर्जीवित लोगों की तरह इस शानदार सेवा में सक्रिय रूप से सेवा कर रही हैं? गहराई से सोचें और प्रभु के लिए जोश के साथ उठें और उसके अनुसार कार्य करें! श्रद्धापूर्ण भय के साथ उठें और मसीह के लिए चमकें (यशायाह 60:1-3)

आपकी प्यारी माँ,

श्रीमती स्टेल्ला दिनाकरन

एस्तेर प्रार्थना समूह में की गई प्रार्थना के माध्यम से एक अद्भुत गवाही!

ऋण से मुक्ति!

मैं एस्तेर प्रार्थना समूह की अगुवा हूँ। हमें एक खास जमीन खरीदने के लिए पैसों की जरूरत थी। इसलिए, हमने कर्ज लिया। मेरे पति सेवानिवृत्त हैं। मेरे दोनों बच्चों के पास कोई ठीक-ठाक नौकरी नहीं थी, इसलिए हम दो साल तक बिना किसी आमदनी के संघर्ष करते रहे। हम अपने कर्ज का ब्याज भी नहीं चुका पा रहे थे। इस नाजुक मोड़ पर, हमने अपने एस्तेर प्रार्थना समूह में इसके लिए प्रार्थना की। प्रभु ने दया की और हमें जरूरी पैसे जुटाने में मदद की और इस तरह हमें कर्ज की समस्या से पूरी तरह मुक्ति दिलाई। साथ ही, हमने अपनी बेटी के लिए भी प्रार्थना की, जिसके पास कोई नौकरी नहीं थी। प्रभु ने उसे एक अच्छी नौकरी का आशीर्वाद दिया। मैं प्रभु को कोटि-कोटि नमन करती हूँ, जिन्होंने हमारे जीवन में ये चमत्कार किए!

- श्रीमती मर्सी राजा, तिरुवल्लूर

आपके बच्चों के भविष्य के लिए प्रार्थना का एक वरदान

मेरे पिताजी का निधन हो गया...

मेरे पिता के निधन के बाद, मेरी दादी ने मुझे युवा सहभागी योजना में नामांकित किया। परमेश्वर की कृपा मुझ हुई, मै अपनी पढाई में अव्वल आने लगी। स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया और बाद में बी.ए. और एम.ए. की परीक्षा स्वर्ण पदक के साथ पूरी की, और आज मै नौकरी कर रही हूँ और अपने गाँव के बच्चों की सेवा कर रही हूँ। परमेश्वर ने मुझे एक साधारण पृष्ठभूमि से ऊपर उठाया और अपनी महिमा के लिए चमकाया।

-कविप्रिया

हर माता-पिता अपने बच्चे के लिए आशा, उद्देश्य और ईश्वरीय सुरक्षा से भरे भविष्य का सपना देखते है। आज की अनिश्चितता भरी दुनिया में, एक बच्चे का दृढ़ विश्वास और ईश्वरीय चरित्र के साथ पालन-पोषण करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इसीलिए यीशु बुलाता है, युवा सहभागी योजना प्रस्तुत करता है, जो जन्म से लेकर 23 वर्ष तक के बच्चों के लिए एक पवित्र पहल है, जो दैनिक प्रार्थना की शक्ति के माध्यम से मसीह की महिमा के लिए एक पीढी का पालन-पोषण करने के लिए समर्पित है।

यह योजना आपके बच्चे के जीवन में एक आत्मिक निवेश है। उनके पहले कदम से लेकर कॉलेज के वर्षों तक, उनके लिए निरंतर प्रार्थना की जाएगी ताकि वे विश्वास में बढ़ सकें, परमेश्वर के मार्गों पर चल सकें और उनके दिव्य उद्देश्य को पूरा कर सकें।

एक माता-पिता, दादा-दादी या अभिभावक के रूप में, आप अपने बच्चे का नामांकन करें और उन्हें निम्नलिखित का आधार प्रदान करें:

- **फलदायी जीवन: यूहन्ना 15:16 के आधार पर, हम प्रार्थना करते हैं कि वे स्थायी फल लाएँ, शिक्षा, चरित्र और रिश्तों में उत्कृष्टता प्राप्त करें।**
- **दृढ़ विश्वास: युवा शमूएल (1 शमूएल 3:10) की तरह, आपके बच्चे के लिए प्रार्थना की जाएगी कि वह परमेश्वर की आवाज़ सुने और आज की दुनिया में एक गवाह के रूप में खड़े होवें।**

युवा सहभागी योजना के लाभ

- प्रार्थना मध्यस्थों द्वारा युवा सहभागियों के नाम पुकारते हुए दैनिक प्रार्थनाएँ
- जन्मदिन पर विशेष प्रार्थनाएँ
- भाई सैमूएल दिनाकरन का मासिक आशीष वचन
- कारुण्या विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है

नामांकन के लिए: आज ही अपने बच्चे का नामांकन कराएँ
प्रार्थनाओं के माध्यम से बच्चे के चारों ओर सुरक्षा की दीवार बन जाएं
दान करने के लिए: www.jesuscalls.org/donate/YPP
ईमेल: ypp@jesuscalls.org **या अपने नजदीकी यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन पर जाएँ**
किसी भी अतिरिक्त जानकारी के लिए कॉल करें: 98409 00477

DONATE TO YPP

Printed by G.L.B.Ernest and Published by G.L.B.Ernest on behalf of Jesus Calls and Printed at Rasi Graphics Private Limited, DP 69-71-A, Sidco Industrial Estate, Thirumazhisai, Poonamallee Taluk, Thiruvallur District. and pubished at 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Salai, Chennai - 28, Editor: G.L.B.Ernest

SEESHA
LET'S GIVE LIFE

हमारे आदरणीय संस्थापक, डॉ पॉल दिनाकरन के 63 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, सीशा ने प्रभावशाली गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की:

✻ छह नए सीशा शिक्षण केंद्र शुरू किए गए, जिससे पूरे भारत में सीशा के कुल केंद्रों की संख्या 63 हो गई।

✻ खाद्य सहायता वितरित की गई और निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए।

✻ वंचितों को नए कपडे और आजीविका सहायता प्रदान की गई।

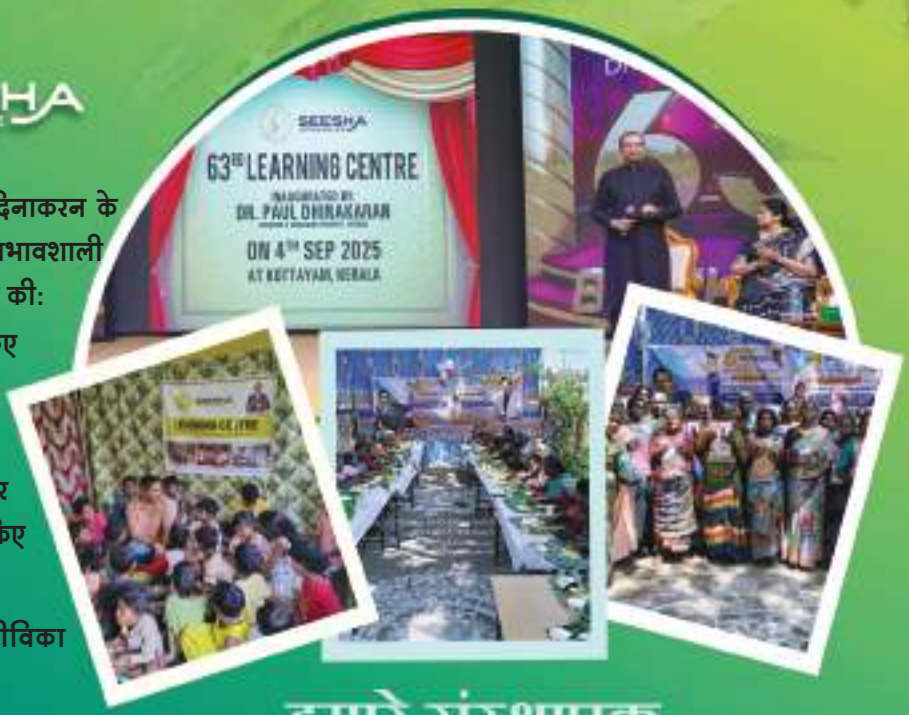

हमारे संस्थापक का जन्मदिन उद्देश्यपूर्ण ढंग से मना रहे हैं

भेद्यता से आत्मनिर्भरता की ओर

सीशा के कौशल और आजीविका विकास कार्यक्रम हर साल सैकडों महिलाओं को सशक्त बनाते हैं। इनमें से ज्यादातर महिलाएँ टूटे-फूटे घरों से आती हैं, उनके पति शराबी हैं, या वे घोर गरीबी में रहती हैं और अपने बच्चों का पालन-पोषण करने की पूरी जिम्मेदारी उठाती हैं।

पिछले साल, सीशा ने भारत भर के 9 केंद्रों में 521 वंचित महिलाओं को सिलाई और 105 को जूट उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया।

सिलाई-एक उज्जवल भविष्य!

'एक गृहिणी और घर पर रहने वाली माँ होने के नाते, मेरे पति की कम कमाई से गुजारा करना और अपने बच्चों की देखभाल करना मेरे लिए लगातार संघर्षपूर्ण रहा। सीशा के मुफ्त सिलाई प्रशिक्षण और शुरुआती धन सहायता की बदौलत, मैंने अरुंबक्कम में अपनी खुद की सिलाई की दुकान शुरूकी। अब मैं हर महीने रु.18,000/- कमाती हूँ, अपने परिवार का भरण-पोषण करती हूँ और अपने बच्चों के भविष्य के लिए बचत करती हूँ। सीशा ने सचमुच हमारी जिंदगी बदल दी है!

– **श्रीमती अमला,** कौशल प्रशिक्षण लाभार्थी, चेन्नई

उनमें से ज्यादातर अब या तो नौकरी, पेशा हैं या अपना खुद का व्यवसाय चला रही हैं और आगामी बैचों के लिए प्रशिक्षक के रूप में भी काम करती हैं। कमजोर से आत्मनिर्भर बनकर, ये महिलाएँ अब अपने दम पर खडी होकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर पा रही हैं।

उन्हें सम्मानजनक आजीविका दिलाने में मदद करने के हमारे मिशन में शामिल होवें:

✻ एक नए सिलाई केंद्र के शुभारंभ में सहयोग करें: रु. 1,00,000/-
✻ एक व्यावसायिक सिलाई मशीन प्रायोजित करें: रु. 12,000/-
✻ एक सिलाई प्रशिक्षक के मानदेय का प्रायोजन करें: रु. 10,000/-
✻ आप इस अभियान में सहयोग के लिए कोई भी राशि दान कर सकते हैं।

TAX-EXEMPTED

DONATE TO SEESHA

UPI ID : 9384015155@okbizaxis

044 66660000
+91 9300 600 600
www.seesha.org
info@seesha.org
* When you Donate send the Details to +91 9300 600 600
SEESHA house No.37, Gandhi Road, Tambaram (West), Chennai - 600045

REGISTERED Newspaper PRGI No. TNHIN/2003/11592

Karunya

DEEMED UNIVERSITY

SOLVING HUMAN PROBLEMS

NAAC Accredited A++

Dr. Paul Dhinakaran

Chancellor, Karunya University

40th YEAR OF EXCELLENCE

600+ MILLION FUNDED PROJECTS

185+ PATENTS

85+ COUNTRIES INTERNATIONAL INTERNSHIPS

10 CRORES

Accreditation

A++ NAAC · NBA · ACCA

India Rating

I-GAUGE

Global Ranking

THE World University Rankings 2025

CATEGORY 1 Institution

Highest CTC of 71 LAKHS per annum

Academic Collaborations

AMAZON · Google · PHOENIX Phoenix Medical Systems (P) Ltd. · sue2 · edveon · FESTO · Microbiological Laboratory · ZOHO

Innovation Partnership

iitm research park

இந்திய தொழில்நுட்ப கழகம் சென்னை ஆராய்ச்சி பூங்கா

International Collaborations

North America: GW · Lewis University · City University · Saint Peter's · SMU · WPI · University of Evansville

United Kingdom: Oxford · Salford

Asia: OAE · Lakehead University · ISB · Kyoto University · Ewha Womans University · E.S.A.P

Oceania: ACU

Europe: Universitat d'Alacant Universidad de Alicante · INP · b-tu · Universidade Católica · isep · UCAM · IBSU · AGH · Universidade de Évora · ECE PARIS · ESTACA · Universidade de Vigo · Vincent Pol University

Middle East: TECHNION Israel Institute of Technology · Sun-Gate University · SKYLINE UNIVERSITY COLLEGE · TEL AVIV UNIVERSITY

PROGRAMS OFFERED :

Engineering / Agriculture / Management / Commerce / Forensic Science / Digital Forensics / Physical Sciences / Media / Online MBA / Artificial Intelligence / Health Sciences

Karunya Institute of Technology and Sciences

Karunya Nagar, Siruvani Main Road, Coimbatore - 641 114, Tamil Nadu, India.

E-mail: admissions@karunya.edu • Website: www.karunya.edu • Toll Free: 1800 88 99 888, 1800 42 54 300

For more details contact: **94425 03407, 94425 03422**